प्रतिबिम्ब

(NEWS LETTER)

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर

NAAC IInd Cycle : B++ (2.91)
Certified : ISO 9001-2015

KMGGPGC

VOL.3/issue3/JAN.2021-JUN.2021

प्राचार्या की कलम से

"विषम परिस्थितियों से युक्त सत्र 2020–2021 का पर्यावसान हो चुका है । एक नए सूर्योदय की आशा में हम सब नवीन सत्र का स्वागत करने हेतु उत्साहित है कि जो कुछ भी विगत सत्र में अवांछित रहा उसकी पुनरावृत्ति ना हो।

विगत विषम परिस्थितियों ने सभी के संयम की परीक्षा ली। जिसका आत्मबल जितना उन्नत था, उसने उतनी कुशलता से संयम रखते हुए प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना किया, साथ ही दूसरों के लिए भी यथासंभव सहायक बने। इनमें से कुछ प्रख्यात लोग थे और कुछ नींव का वे पत्थर थे, जो अखबार की सुर्खियों में भी नहीं आए , किंतु उन्होंने स्वान्तः सुखाय की भावना से युक्त होकर अपने नैतिक एवं सामाजिक दायित्व का निर्वहन किया, क्योंकि यह महत्वपूर्ण नहीं है कि कितने लोग आपको जानते और पहचानते हैं वरन् यह महत्वपूर्ण है कि लोग आपको किस रुप में जानते और पहचानते हैं। आत्मिक शांति का स्रोत अपने ही अंदर है । बाहर इसकी तलाश करना मृग मरीचिका के समान है।

" ख्वाहिशें अधूरी ही सही, मगर कोशिशें पूरी ईमानदारी से होनी चाहिए "

इस पंक्ति के निहितार्थ का अनुपालन करते हुए आप सभी अपने कर्तव्य पथ पर अग्रसर रहें, आत्मिक शांति प्राप्त करें एवं सफलता के नित नए सोपान हासिल करें।

शुभकामनाओं सहित –

डॉ दिव्या नाथ

संस्कृत विभाग में प्रसार व्याख्यान का आयोजन

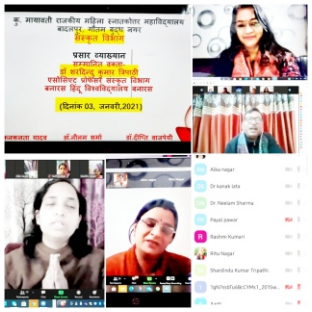

महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के अंतर्गत दिनांक 3 जनवरी 2021 को ऑनलाइन माध्यम से प्रसार व्याख्यान का आयोजन किया गया , जिसका विषय था "संस्कृत की सार्वकालिक प्रासंगिकता"। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ कनक लता यादव द्वारा प्रस्तुत ईश वंदना के साथ हुआ । तत्पश्चात डॉ दीप्ति वाजपेयी ने मुख्य वक्ता डॉ शरदिंदु कुमार त्रिपाठी , एसोसिएट प्रोफेसर ,बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय का स्वागत करते हुए विषय प्रवर्तन किया। तत्पश्चात मुख्य वक्ता डॉ शरदिंदु कुमार त्रिपाठी ने अपना सारगर्भित व्याख्यान देते हुए कहा कि संस्कृत एक दिव्य वाणी है । भारतीय संस्कृति का सार संस्कृत साहित्य में निबद्ध है। पाश्चात्यीकरण के प्रभाव के कारण आज संस्कृत हाशिए पर प्रतीत होती है किंतु वस्तुतः संस्कृत कालजयी रचना है। हर्ष का विषय है कि नई शिक्षा नीति में संस्कृत एवं प्राच्य ज्ञान को बहुत महत्व दिया गया है । निश्चय ही भविष्य में संस्कृत पुनः गौरवशाली पद प्राप्त करेगी। कार्यक्रम में संस्कृत विभाग के प्राध्यापक तथा छात्राओं के अतिरिक्त महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकगण भी उपलब्ध रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ नीलम शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया । कार्यक्रम का संचालन डॉ दीप्ति वाजपेयी द्वारा किया गया।

आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की सत्र की द्वितीय बैठक सम्पन्न

महाविद्यालय में सत्र 2020–21 में महाविद्यालय आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) की द्वितीय बैठक दिनाँक 9 जनवरी ,2021 को ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की गई । बैठक में IQAC के मानक गठन के अनुरूप अकादमिक प्रतिनिधि के रूप में डॉ अरुण मोहन शेरी,निदेशक IIIT लखनऊ, डॉ ए. के सक्सेना पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर जंतु विज्ञान राजकीय रजा कालेज रामपुर, डॉ विनोद कुमार शनवाल, एसोसिएट प्रोफेसर, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय शासन प्रतिनिधि के रूप में डॉ राजीव गुप्ता, क्षेत्रीय अधिकारी मेरठ मंडल मेरठ, एन.जी. ओ प्रतिनिधि के रूप में श्री संजीव गर्ग एवं श्री मनोज मित्तल, रोटरी क्लब ने बैठक में प्रतिभाग कर कार्यक्रम को सार्थकता प्रदान की । अभिभावक प्रतिनिधि के रूप में श्री राम पारिख, भूतपूर्व छात्रा प्रतिनिधि कु काजोल व कु हेमा, वर्तमान छात्रा प्रतिनिधि कु प्रवांशी पांडे, कु भावना कुशवाहा, कु स्वाति सिंह, कु खुशबू सैफी ने बैठक में प्रतिभाग किया। सर्वप्रथम प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ ने सभी सम्मानित प्रतिनिधियों का स्वागत किया तथा बैठक में उनकी उपस्थिति हेतु उनके प्रति आभार ज्ञापित किया । तदुपरांत IQAC समन्वयक डॉ किशोर कुमार ने महाविद्यालय द्वारा किये गए कार्यों एवं उपलब्धियों की आख्या एवं आगे सम्पन्न किये जाने वाले कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। डॉ किशोर कुमार की प्रभावशाली प्रस्तुतिकरण के उपरांत सदन में उपस्थित सभी प्रतिनिधियों द्वारा भावी कार्यों पर गहन विचार विमर्श किया गया तथा गुणवत्ता संवर्धन हेतु सुझाव प्रस्तुत किये गए। सर्वप्रथम डॉ ए. के. सक्सेना जी ने महाविद्यालय के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस महाविद्यालय में प्रगति की असीम क्षमताएँ है और महाविद्यालय अपने प्रयासों से नित नई ऊंचाइयाँ छू रहा है। इसी क्रम में डॉ शैरी ने कोविड–19 के विषम समय में महाविद्यालय प्राध्यापकों द्वारा की जा रहे ऑनलाइन शिक्षण कार्य एवं प्राध्यापकों द्वारा विनिर्मित ई कंटेंट की सराहना की तथा सुझाव दिया कि महाविद्यालय आईआईटी मद्रास द्वारा संचालित ऑनलाईन कोर्सेज के साथ कोलेबोरेशन कर यहां की छात्राओं हेतु उच्च स्तरीय पाठ्यक्रम उपलब्ध करा सकता है। वहीं डॉ विनोद कुमार शनवाल जी ने महाविद्यालय के कार्यों को प्रशंसनीय बताया और गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के द्वारा हर प्रकार के सहयोग का आश्वासन दिया । रोटरी क्लब से जुड़े श्री संजीव गर्ग एवं श्री मनोज मित्तल जी ने शीघ्र ही महाविद्यालय का भ्रमण कर अपना अपेक्षित सहयोग महाविद्यालय को देने का आश्वासन दिया । क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ राजीव गुप्ता द्वारा इस महाविद्यालय की प्राचार्या एवं प्राध्यापकों द्वारा किए छात्र हित के कार्यों का संज्ञान लेते हुए महाविद्यालय को शुभकामनाएं दी । महाविद्यालय के भावी लक्ष्यों में राष्ट्रीय सेमिनार तथा विभागीय वर्कशॉप का आयोजन , कम्युनिटी रेडियो स्टेशन की स्थापना, रोजगारोन्मुख क्रियाविधियों के प्रसार, सोलर पैनल का विस्तार, विभागीय MOU सम्पन्न करना, भाषा प्रयोगशाला का उच्चीकरण , वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा, शोध परियोजनाओं का संचालन इत्यादि कार्यों पर विशेष बल दिया गया । बैठक के अंत में आई. क्यू. ए. सी. प्रभारी डॉ किशोर कुमार द्वारा सभी का धन्यवाद व्यक्त किया एवं सभी सुझावों पर क्रियान्वयन करने का आश्वासन दिया गया । बैठक में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के सदस्यो डां. दिनेश चन्द्र शर्मा, डॉ. दीप्ति वाजपेयी, श्रीमती शिल्पी एवं डॉ. अरविन्द यादव का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सम्पादिका की कलम से

"कालरात्रि से घबराकर, ऊषा जय मुकुट नहीं लाती
कोई पीढ़ी सोते रहने से, अपना लक्ष्य नहीं पाती ।
हम बढ़े हमेशा कठिन डगर, अँधियारा चाहे छाया है,
हमने तो संघर्षों से ही लक्ष्य–शिखर को पाया है।"

माननीय निशंक जी की इन पंक्तियों में वर्तमान विषम परिस्थितियों में विजय श्री प्राप्त करने का समस्त सार निहित है । कोविड 19 के रूप में प्रकृति का प्रकोप झेल रही मानव सृष्टि को अपनी त्रुटियों से सबक लेने की आवश्यकता तो निसंदेह है किंतु इन परिस्थितियों में भी विद्यार्थियों के उत्कर्ष का , पुष्पयन का, सृजन का क्रम अबाधित रहे यह शिक्षा जगत के लिए अपरिहार्य है । कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर कर्मठ और दूरदर्शी प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ के निर्देशन में प्रतिपल लक्ष्योन्मुख है तथा किसी भी विषम परिस्थिति में महाविद्यालय उन्नयन की हर संभावनाओं को साकार करते हुए छात्र हित में अपना सर्वश्रेष्ठ देने हेतु कटिबद्ध है। सत्र 2020–21 के जनवरी से जून तक का महाविद्यालय न्यूज लेटर "प्रतिबिंब" का यह तृतीयांक छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए उठाए गए हर कदम के पदचिन्ह अपने अंदर समेटे है ।

"क इप्सितार्थस्थिरनिश्चयं मनः
पयश्च निम्नाभिमुखं प्रतीपयेत्"

अर्थात् अभीष्ट वस्तु के लिए स्थिर निश्चय वाले मन को और नीचे की ओर जाते हुए पानी को कौन उलट सकता है। महाविद्यालय भी अपने दृढ़ संकल्प के साथ प्रतिबिंब के आगामी अंक में अपनी प्रतिबद्धता की झलक विद्वतवर्ग के सम्मुख प्रस्तुत करेगा ऐसा मेरा पूर्ण विश्वास है ।

नतोहं वीणापाणि सर्वदा तुभ्यं ।

-डॉ दीप्ति वाजपेयी

राष्ट्रीय युवा दिवस

महाविद्यालय में दिनांक 12 जनवरी 2021 को स्वामी विवेकानंद अध्ययन केंद्र के तत्वावधान में स्वामी विवेकानंद जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में आयोजित करते हुए राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया जिसका विषय था '' स्वामी विवेकानन्द : जीवन एवं विचार ''। वेबिनार का शुभारंभ प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ द्वारा समस्त सम्मानित वक्तागणों के स्वागत के साथ हुआ। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह सौभाग्य का विषय है कि हमें स्वामी जी के सार्वकालिक प्रासंगिक विचारों को आज के विशिष्ट वक्ताओं के माध्यम से पुनः जानने समझने का अवसर प्राप्त होगा । वस्तुतः स्वामी जी पढ़ने या सुनने का विषय वरन् जीने का विषय है और हम सबको उन्हें अपने व्यक्तित्व में धारण करना चाहिए। वेबिनार के संयोजक डॉ. किशोर कुमार , निदेशक स्वामी विवेकानंद अध्ययन केंद्र ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि विवेकानंद कालजयी व्यक्तित्व के स्वामी है । उनके आचार एवं विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक है, जितना पुनर्जागरण काल में थे। वेबिनार के मुख्य वक्ता स्वामी शांतात्मानन्द जी, रामकृष्ण मिशन, दिल्ली ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वामी जी समाज सेवा को ही सच्ची प्रभु सेवा मानते थे। उनके अनुसार समाज और राष्ट्र सर्वोपरि है। हमें स्वार्थ की परिधि से निकल कर सर्वजन हिताय जीवन व्यतीत करना चाहिए ,यही स्व कल्याण का मार्ग है । वेबिनार के विशिष्ट वक्ता डॉ राजेश द्विवेदी, एसो.प्रो. अंग्रेजी, आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली ने अपने वक्तव्य में कहा कि हम कथनी और करनी के भेद काल में जी रहे हैं, इसीलिए हमारे आज के धर्म गुरुओं का आचरण अनुकरणीय नहीं है। हमें मन– वचन – कर्म में समानता रखनी होगी, तभी हमारा वचन दूसरों के हृदय को स्पर्श कर सकेगा । यही तथ्य विवेकानंद जी की लोकप्रियता का सार है, जो उन्हे वैश्विक व्यक्तित्व बनाता है। वेबिनार के अंतिम प्रबुद्ध वक्ता डॉ. राजेश कुमार , एसो. प्रो. इतिहास, आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली ने सारांश रूप में कहा कि स्वामी जी को एक दिन स्मरण करने से नहीं, बल्कि उनके संदेशों को नित्य नैमैक्तिक कर्म में ढालने से तथा अपने आचरण में समाहित करने से हम स्वयं का , राष्ट्र का तथा अंततः सृष्टि का कल्याण कर सकते है। कार्यक्रम के अंत में वेबिनार संयोजक डॉ. किशोर कुमार द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। वेबिनार संयोजक डॉ दिनेश चंद शर्मा , डॉ. दीप्ति वाजपेयी, डॉ. अनीता सिंह ने वेबिनार आयोजन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया । कार्यक्रम में सभी प्राध्यापकों की सहभागिता से वेबिनार अपने उद्देश्यों में सफल रहा।

संस्कृत रंगमंच एवं परंपरा पर प्रसार व्याख्यान

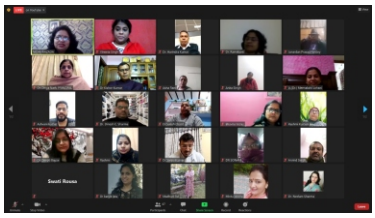

महाविद्यालय की प्रसार व्याख्यान समिति के तत्वावधान में दिनांक 12 जनवरी 2021 को एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर व्याख्यान हेतु केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ,गंगानाथ झा केंपस, प्रयागराज में कार्यरत प्रोफेसर जनार्दन प्रसाद पांडे को आमंत्रित किया गया, जिन्होंने भारतीय धर्म एवं दर्शन पर प्रकाश डालते हुए 'संस्कृत रंगमंच परंपरा एवं संभावनाएं' विषय पर अपना सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने वर्तमान समय में भारतीय संस्कृति में व्याप्त संवेदनाएं ,नैतिक मूल्यों के ह्रास पर चिंता व्यक्त की तथा उन पुरातन मान्यताओं को पुनः स्थापित करने पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रसार व्याख्यान समिति के समन्वयक डॉ किशोर कुमार द्वारा तथा धन्यवाद प्रसार व्याख्यान समिति की प्रभारी डॉ निधि रायजादा द्वारा ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ सहित महाविद्यालय परिवार के सभी प्राध्यापक तथा बड़ी संख्या में छात्राएं एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

साहित्यिक सांस्कृतिक सप्ताह का आयोजन

महाविद्यालय में दिनांक 16 से 22 जनवरी 2021 तक छात्राओं के सर्वांगीण विकास के दृष्टिगत साहित्यिक सांस्कृतिक सप्ताह का भव्य आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। सप्ताह के प्रथम दिवस सर्वप्रथम प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ द्वारा मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया तथा समिति प्रभारी डॉ दीप्ति वाजपेयी ने स्वागत उद्बोधन दिया । तत्पश्चात नृत्य एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन क्रमशः डॉ बबली अरुण एवं डॉ दीप्ति वाजपेयी के निर्देशन में किया गया। एकल और समूह नृत्य प्रतियोगिता में छात्राओं ने मनोहारी प्रस्तुतियां दी । 18 जनवरी को कविता एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन क्रमशः डॉ अर्चना सिंह, डॉ सुशीला , श्रीमती नेहा त्रिपाठी एवं डॉ सोनम शर्मा के निर्देशन में हुआ। दिनांक 19 जनवरी को डॉ बबली अरुण एवं डॉ शालिनी तिवारी के निर्देशन में क्रमशः गायन एवं पोस्टर प्रतियोगिताएं संपन्न कराई गई । 21 जनवरी 2021 को श्रीमती शिल्पी एवं डॉ अर्चना सिंह के द्वारा मेहंदी एवं कहानी प्रतियोगिता आयोजित की गई सप्ताह के अंतिम दिन दिनांक 22 जनवरी 2021 को श्रीमती शिल्पी के निर्देशन में रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। सभी प्रतियोगिताओं में समस्त संकायों की छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। विजयी छात्राओं को वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा पुरस्कृत किया गया ।

महिला प्रकोष्ठ अभिविन्यास कार्यक्रम

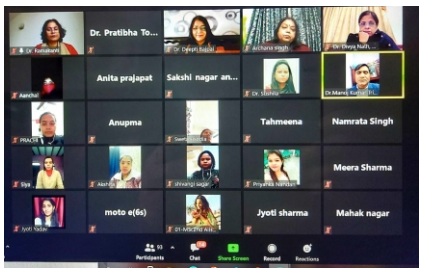

महाविद्यालय में दिनांक 17 जनवरी 2021 को महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय की संरक्षिका एवं प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ द्वारा किया गया। प्रारंभ में महिला प्रकोष्ठ अधिकारी डॉ अर्चना सिंह द्वारा प्रकोष्ठ के कार्यों एवं सदस्यों के बारे में जानकारी दी गयी । कार्यक्रम की समारोहिका डॉ सुशीला द्वारा महिला हेल्पलाइन नंबर के बारे में बताया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में ऑनलाइन माध्यम से जुड़े सुरभारती विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर पद पर कार्यरत डॉ मनोज त्रिपाठी ने अपनी ओजस्वी वाणी से सबको मंत्र मुग्ध कर दिया। उन्होंने महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों एवं उनके लिए उपलब्ध कानूनी प्रावधानों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। आज के आधुनिक समाज में भी लड़के और लड़की में हो रहे भेदभावों का पुरजोर विरोध करते हुए उन्होंने छात्राओं को प्रोत्साहित किया कि यदि उनके ऊपर कोई अत्याचार होता है तो सब उनके साथ है उन्हें डरना नहीं चाहिये। उन्होंने महिलाओं से जुड़े कानूनों एवं अधिकारों पर विस्तार से चर्चा की । अंत में महिला प्रकोष्ठ की सह–प्रभारी डॉ दीप्ति वाजपेयी द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। । कार्यक्रम में महिला प्रकोष्ठ की सदस्य डॉ प्रतिभा तोमर ,डॉ रमाकान्ति, डॉ विनीता सिंह, डॉ मणि अरोड़ा एवं महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगणों के साथ–साथ 100 से अधिक छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

कोविड 19 परीक्षण शिविर

दिनांक 19 जनवरी 21 को महाविद्यालय में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बादलपुर द्वारा महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ के अनुरोध पर निःशुल्क कोविड टैस्ट कैम्प लगाया गया । शिविर में महाविद्यालय की छात्राओं व स्टॉफ ने जागरूकता का परिचय देते हुए अपना–अपना कोरोना का टैस्ट करवाया । कैम्प को सफल बनाने में महाविद्यालय की प्राथमिक चिकित्सा समिति की प्रभारी डॉ शिवानी वर्मा के साथ सदस्य डॉ. सतीश चन्द्र, श्रीमती पवन, डॉ. मणि, डॉ. निशा, डॉ. कनकलता, डॉ. रिचा एवं समन्वयक डॉ. आशा रानी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कोविड टैस्ट टीम में डॉ. रनवीर सिंह के साथ लैव टैक्नीशियन श्री संजीव व श्री मुकेश तिवारी ने सभी के रैपिड एंटीजन व **RTPCR** के टैस्ट किए लगभग 100 छात्राओं के टैस्ट में सभी की एंटीजन टैस्ट रिपोर्ट नैगेटिव पाई गई। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए शिविर अत्यधिक महत्वपूर्ण और उपयोगी रहा

सड़क सुरक्षा समिति के तत्वावधान में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

शासन के निर्देशानुसार बढ़ती हुई सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से जनपदीय स्तर पर गठित सड़क सुरक्षा समिति के तत्वावधान में महाविद्यालय में दिनाँक 20 जनवरी 21 से 20 फरवरी 21 तक सड़क सुरक्षा माह आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम द्वारा सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने हेतु निबन्ध, प्रश्नोत्तरी, रंगोली,पोस्टर,चौपाई,दोहा एवं लघु कहानी लेखन आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इस क्रम में उल्लेखनीय है कि राज्य स्तरीय मस्कट लेखन प्रतियोगिता में महाविद्यालय की बी.एड.प्रथम वर्ष छात्रा कु. रोजी आजमी को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 21000 रुपये की राशि प्रथम पुरस्कार स्वरुप प्रदान की गई। इसी क्रम में जनपद स्तर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय से कु. वैशाली सैनी (बी.एड. द्वितीय वर्ष), मोहिनी (बी.एड. द्वितीय वर्ष), नीलम यादव (बी.एड. प्रथम वर्ष), ज्योति (बी.ए.प्रथम वर्ष) , विकांक्षा शर्मा (बी.कॉम.द्वितीय वर्ष), निकिता शर्मा (बी.ए.द्वितीय वर्ष),ममता वर्मा, प्रिया दुबे तथा दीपाली निर्मल (बी.एड.प्रथम वर्ष) पुरस्कार प्राप्त करने में सफल रहीं। समस्त कार्यक्रमों का संचालन संस्था की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ के निपुण निर्देशन तथा सड़क सुरक्षा समिति प्रभारी डॉ. आशा सिंह के कुशल नेतृत्व में किया गया। इन कार्यक्रमों के आयोजन में सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य डॉ. अर्चना सिंह,डॉ. संजीव कुमार,डॉ. मणि अरोड़ा, डॉ. सतीश चंद्र तथा डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार का योगदान सराहनीय रहा।

11 वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस

दिनांक 25 जनवरी 2021 को 11वाँ राष्ट्रीय मतदाता दिवस पूरे हर्षोल्लास से मनाया गया। इस वर्ष मतदाता दिवस की थीम है– ''सभी मतदाता बनें–सतर्क, सशक्त, सुरक्षित, जागरूक'' इसी को ध्यान में रखकर महाविद्यालय में प्रातः 12:00 बजे शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सभी छात्राओं को लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा का पालन करते हुए निर्भीक होकर अपने –अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ दिलाई गई एवं छात्राओं को प्राचार्या द्वारा शपथ पत्र की प्रति का वितरण किया गया। तत्पश्चात मतदान जागरूकता हेतु संगीत विभाग की प्राध्यापिका डॉ0 बबली अरुण के निर्देशन में नुक्कड़ नाटक का अत्यंत सुंदर मंचन महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्या एवं संरक्षिका डॉ0 दिव्या नाथ जी द्वारा की गई तथा संचालन राजनीति विभाग की प्राध्यापिका डॉ. सीमा देवी द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के लगभग सभी प्राध्यापक तथा छात्राएँ उपस्थित रहीं। साथ ही महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों द्वारा व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से भी छात्राओं को मतदान हेतु जागरूक किया गया। इसके साथ ही इस अवसर पर छात्राओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से डॉ. सीमा देवी के मार्गदर्शन में स्लोगन लेखन एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसके परिणाम निम्नवत रहे – स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में मनीषा नागर पुत्री श्री जगबीर सिंह, एम. ए. प्रथम वर्ष, राजनीति विज्ञान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। चांदनी पुत्री श्री श्रीपाल, एम.ए. प्रथम वर्ष, राजनीति विज्ञान द्वितीय स्थान पर रही तथा ललिता पुत्री श्री श्रवण कुमार बी.ए. प्रथम वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में निबंध प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसका विषय था 'मतदाता जागरूकता' इसमें प्रथम स्थान पर कुमारी शालू बी.ए. प्रथम वर्ष रही। कोमल, एम.ए. प्रथम, द्वितीय स्थान तथा निशा बी.ए. द्वितीय वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस पर विविध कार्यक्रम आयोजित

उत्तर प्रदेश सरकार पत्रांक संख्या डिग्री विकास/1266 –68/2020 – 21, दिनांक 21 जनवरी 2021 के अनुपालन में महाविद्यालय में उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय की महिला प्रकोष्ठ समिति, राष्ट्रीय सेवा योजना समिति एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त तत्वावधान में 24 जनवरी से 26 जनवरी तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस श्रृंखला में दिनांक 24 जनवरी 2021 को महाविद्यालय की छात्राओं ने ग्राम वासियों को रैली के माध्यम से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से अवगत कराया एवं संबंधित पैमफ्लैट वितरित किए गए। दिनांक 25 जनवरी 2021 को छात्राओं ने ग्राम में जाकर ग्राम वासियों को उत्तर प्रदेश की लोक संस्कृति, लोक नाट्य एवं लोक नृत्य आदि के द्वारा उत्तर प्रदेश की गौरवशाली परंपरा से परिचय कराया, साथ ही महाविद्यालय के प्राध्यापकों डॉ शिल्पी, डॉ. जीत सिंह, डॉ हरेंद्र कुमार एवं डॉ प्रतिभा तोमर के द्वारा आत्मनिर्भर भारत एवं एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प के साथ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के संबंध में समूह चर्चा आयोजित की गई। दिनांक 26 जनवरी 2021 को उत्तर प्रदेश सरकार की उपलब्धियों विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई एवं उत्तर प्रदेश सरकार की उपलब्धियां, लोक संस्कृति , सांस्कृतिक धरोहर इत्यादि विषयों पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई । इनके साथ ही तीन दिवसीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया । संपूर्ण कार्यक्रम महाविद्यालय प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ, साथ ही महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों का उल्लेखनीय सहयोग रहा।

गणतंत्र दिवस समारोह

महाविद्यालय में देश का 72 वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया । सर्वप्रथम समस्त प्राध्यापकों एवं छात्राओं की उपस्थिति में महाविद्यालय प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ द्वारा ध्वजारोहण किया गया एवं राष्ट्रगान की धुन के साथ तिरंगे को सलामी दी गई, इसके उपरांत वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ डी.सी.शर्मा के द्वारा शिक्षा निदेशक, उच्च शिक्षा का संदेश सभी के मध्य प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात डॉ. बबली अरुण के निर्देशन में छात्राओं द्वारा देशभक्ति से परिपूर्ण मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर महाविद्यालय की एन.एस.एस एवं एन.सी.सी की छात्राओं ने तिरंगे झंडे के साथ मार्च पास्ट किया, जिसकी अगुवाई प्राचार्या महोदया द्वारा की गई । इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस को भी विभिन्न रूपों में मनाया गया जिसके अंतर्गत ग्राम बादलपुर की महिलाओं को उत्तर प्रदेश लोक नृत्य की जानकारी नृत्य प्रदर्शन के माध्यम से कराई गई, साथ ही महाविद्यालय महिला प्रकोष्ठ के प्राध्यापकों के द्वारा बादलपुर निवासियों के मध्य उत्तर प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों, महान हस्तियों एवं बालिकाओं से संबंधित विभिन्न योजनाओं के विषय में विस्तार से बताया गया । इसके अतिरिक्त छात्राओं के द्वारा रैली निकालकर ग्राम वासियों को उत्तर प्रदेश की प्रमुख विशेषताओं से अवगत कराया गया। इसके साथ ही एन.एस.एस की छात्राओं के लिए उत्तर प्रदेश की उपलब्धियों से संबंधित पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य द्वारा छात्राओं एवं प्राध्यापकों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए इसके महत्व के विषय में अवगत कराया गया । कार्यक्रम का संचालन समारोहिका डॉ. रश्मि कुमारी द्वारा किया गया । इस अवसर पर संपूर्ण महाविद्यालय परिवार ने समस्त कार्यक्रमों में उत्साह पूर्वक भाग लिया।

शहीद दिवस का आयोजन

महाविद्यालय में दिनाँक 30 जनवरी 2021 को उत्तर प्रदेश शासन के पत्रांक संख्या 342/सत्तर–3–2021दिनांक 29 जनवरी 2021 के अनुपालन में भारत के स्वतंत्रता संग्राम में प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों की स्मृति में पूर्वाह्न 11:00 बजे 02 मिनट का मौन धारण कर उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की गई। संस्था की मुख्य समारोहिका डॉ. रश्मि कुमारी द्वारा संचालित कार्यक्रम में उनके द्वारा छात्राओं को राष्ट्र के प्रति सेवा एवं समर्पण की शपथ दिलवाई गयी। इसके पश्चात राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर आयोजित इस कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा बादलपुर में जागरूकता रैली भी निकाली गई तथा शहीदों की शहादत की याद दिलाते हुए ग्रामीण जनों में राष्ट्र गौरव के भाव जाग्रत किए गए। प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ के निर्देशन में संपन्न हुए इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं छात्राओं की उपस्थिति एवं सहयोग सराहनीय रहा।

विभागीय परिषद पुरस्कार वितरण

महाविद्यालय की छात्राओं के सर्वांगीण विकास एवं उनके विलक्षण गुणों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शिक्षा के साथ साथ शिक्षणेत्तर गतिविधियो का आयोजन किया जाता है। इसके लिए महाविद्यालय में विभागीय परिषद समिति के निर्देशन में प्रत्येक विभाग द्वारा विभागीय परिषद का गठन किया गया, जिसमे विभाग की छात्राओं को चुनाव के माध्यम से चयनित किया गया। चयनित छात्राओं ने पूरे वर्ष विभागीय गतिविधियों को आयोजित करने में अपना सहयोग दिया। सत्र 2020–21 में प्रत्येक विभाग की परिषद द्वारा छात्राओं के रचनात्मक कौशल विकास हेतु विभिन्न प्रतिगोगिताओ जैसे– पोस्टर बनाना, नारा लेखन, वाद–विवाद, निबंध लेखन, कविता लेखन, हेंडीक्राफ्ट, कलश सज्जा, नुक्कड़ नाटक, फैशन शो, साइंस प्रोजेक्ट इत्यादि एवं विभागीय सेमिनार का आयोजन किया गया। प्रत्येक सत्र की भांति इस सत्र में भी विजयी छात्राओं को महाविद्यालय प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ जी द्वारा पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। विभागीय परिषद प्रभारी डॉ शिवानी वर्मा के निर्देशन में कोविड–19 के प्रोटोकॉल के दृष्टिगत इस वर्ष सभी विभागों को एकत्रित कर सामूहिक रूप से पुरस्कार वितरित न करके इस वर्ष फरवरी माह में प्रत्येक विभाग द्वारा पृथक पृथक रूप से विभागीय स्तर पर छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। विभागीय परिषद के अंर्तगत सम्पन्न कराये जाने वाले विभिन्न आयोजन निश्चय रूप से छात्राओं के बौद्धिक विकास के साथ तार्किक शक्ति एवं कौशल का विकास करने में सहायक है। विभागीय परिषद के तत्वावधान में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में समस्त विभागों के विभाग प्रभारी एवं सदस्य एवं महाविद्यालय विभागीय परिषद समिति प्रभारी डॉ शिवानी वर्मा एवं समस्त सदस्य डॉ भावना यादव, डॉ ऋचा, डॉ श्वेता सिंह, डॉ कनकलता यादव एवं डॉ रतन सिंह का उल्लेखनीय सहयोग रहा।

साहित्य पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन

महाविद्यालय में अपर मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार दिनांक 4 फरवरी 2021 को साहित्य पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में महाविद्यालय के हिंदी , संस्कृत व अंग्रेजी विभाग द्वारा छात्राओं के ज्ञान वर्धन हेतु विभिन्न विषयवस्तु की लाभप्रद पुस्तकों को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ प्राचार्या डा.दिव्या नाथ द्वारा रिबन काटकर किया गया। पुस्तक प्रदर्शनी महाविद्यालय की छात्राओं के साथ साथ राजकीय इंटर कॉलेज की छात्राओं व ग्रामीणों के लिए भी खुली थी। छात्राओं व प्राध्यापकों ने प्रदर्शनी का उत्साह पूर्वक लाभ उठाया । छात्राओं का प्रदर्शनी के संबंध में उत्साह देखते हुए प्राचार्या महोदया द्वारा पुनः इस प्रकार की प्रदर्शनी लगाने का आश्वासन दिया गया। इस हेतु उन्होंने संबंधित विभागों को शुभकामनाएं दी तथा प्रदर्शनी की प्रशंसा की और कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी छात्राओं के सर्वांगीण विकास में सहायक होती है अतः इस प्रकार के आयोजन होते रहने चाहिए । आयोजन में डॉ. रश्मि कुमारी, डॉ. अर्चना सिंह , डॉ. दीप्ति वाजपेयी, डॉ. जीत सिंह, डॉ. श्वेता, डॉ. मिंतु, डॉ. विजेता, डॉ. नीलम शर्मा, डॉ. कनक लता , डॉ. अपेक्षा तिवारी का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा। गृह विज्ञान परिषद के तत्वावधान में दिनाँक 18 फरवरी 2021 को लिटरेरी फेस्ट के अंतर्गत ''पोषण एवं स्वास्थ्य '' विषय पर एक पुस्तक मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। विभाग की स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं की छात्राओ ने पोषण विषय पर चार्ट और पोस्टर बना कर गैलरी में प्रदर्शनी लगाई एवं संबंधित विषय की पुस्तकों का प्रदर्शन किया। साथ ही छात्राओ द्वारा संतुलित आहार एवं डाइट चार्ट प्रस्तुत किये गए। ''पोषण एवं स्वास्थ्य'' विषय पर इस लिटरेरी फेस्ट का उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्या महोदया डॉ दिव्या नाथ के कर कमलो द्वारा रिबन काट कर किया गया। इस लिटरेरी फेस्ट के माध्यम से महाविद्यालय की सभी छात्राएँ और प्राध्यापकगण लाभान्वित हुए। कार्यक्रम के अंत मे गृह विज्ञान विभाग प्रभारी डॉ शिवानी वर्मा द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

पुरातन छात्रा समागम

दिनांक 13 फरवरी 2021 को महाविद्यालय में पुरातन छात्रा समागम का आयोजन किया गया। वैश्विक महामारी कोविड–19 के दृष्टिगत इस वर्ष ऑनलाइन माध्यम से जूम प्लेटफार्म पर पुरातन छात्रा समागम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन पुरातन छात्रा प्रभारी डॉ. मिन्तु द्वारा किया गया, जिसमें महाविद्यालय की पुरातन छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भागीदारी की। कार्यक्रम का संचालन कर रही डॉ. मिन्तु ने समस्त छात्राओं को महाविद्यालय विकास हेतु उनके अनुभवों एवं संस्मरणों को साझा करने हेतु आमंत्रित किया जिसमें छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होनें महाविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करते हुए अपने अनुभव एवं संस्मरण और समस्त प्राध्यापकों का अपनी छात्राओं एवं महाविद्यालय के प्रति समर्पण पर अपने विचार प्रकट किए। साथ ही पुरातन छात्राओं ने प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी के कुशल निर्देशन में किस तरह महाविद्यालय ऊंचाइयों के नित नए सोपान छू रहा है, इसकी भूरि–भूरि प्रशंसा की। प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए ऐसे कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में जुड़ने के लिए प्रेरित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। पुरातन छात्रा समिति के समस्त सदस्यों डॉ. प्रतिभा तोमर, डॉ. अरविंद कुमार यादव, डॉ. बबली अरुण, डॉ. रतन सिंह एवं डॉ. मोहम्मद वकार रजा के साथ–साथ समस्त महाविद्यालय परिवार ने इस कार्यक्रम में भाग लेकर इसे सफल बनाने में अपना अमूल्य सहयोग दिया।

व्यावसायिक अध्ययन विभाग के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

महाविद्यालय के व्यावसायिक अध्ययन विभाग में नई छात्राओं के स्वागत के लिए 13 जनवरी 2021 को फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया । दिनांक 12 फरवरी 2021 से 15 फरवरी 2021 तक बी वॉक. की छात्राओं हेतु शिमला में शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया जहां बी.वॉक(एमएमडीटी और एटीएचएम) की छात्राओं ने संकाय सदस्यों के साथ शिमला में पर्यटन संबंधी ज्ञान संचित किया। 5 फरवरी 2021, 6 फरवरी 2021 और 29 फरवरी 2021 को एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और विज्ञान दिवस का सफलता पूर्वक आयोजन किया। इसके अतिरिक्त, बी. वॉक विभाग (एटीएचएम) ने राष्ट्रीय रेल संग्रहालय और हुमायु मकबरे के विषय में छात्राओं को जानकारी प्राप्त कराने के उद्देश्य से नई दिल्ली में एक दिवसीय भ्रमण का आयोजन किया। सभी छात्राओं ने भारत में रेल परिवहन के इतिहास को जाना और हुमायु मकबरे की यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल का दौरा करते हुए समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का भी अनुभव किया। बी. वॉक विभाग (एटीएचएम) की छात्राओं को इंटर्नशिप के लिए विभिन्न होटलों और ट्रैवल एजेंसियों में भेजा गया। सभी छात्राओं ने अपनी इंटर्नशिप के दौरान बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और उनके प्रशिक्षण के दौरान उन्हें वेतन भी दिया गया। अपनी इंटर्नशिप में, उन्होंने फ्रंट ऑफिस, खाद्य और पेय सेवाएं ,टूर पैकेज तैयार करना और यात्रा कार्यक्रम की तैयारी में आवश्यक विभिन्न कौशल को सीखा।

महाराजा सुहेलदेव जयंती पर विविध कार्यक्रम का आयोजन

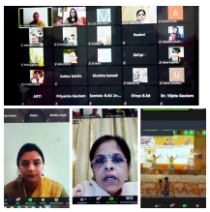

महाविद्यालय में 16 फरवरी 2021 को बसंत पंचमी के अवसर पर महाराजा सुहेलदेव जयंती समारोह आयोजित किया गया । जिसके अंतर्गत सर्वप्रथम महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स, राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेवी छात्राओं एवं महाविद्यालय की अन्य छात्राओं ने गौतम बुद्ध नगर जनपद की तहसील दादरी , नोएडा एवं गाजियाबाद के शहीद स्थलों पर जाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया और उनके अतुलनीय बलिदान के लिए कृतज्ञता ज्ञापित की। महाराजा सुहेलदेव के बलिदान एवं शौर्य से परिचित कराने के लिए भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके अंतर्गत महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों एवं छात्राओं ने सहभागिता की । कार्यक्रम का आरंभ बसंत पंचमी के अवसर पर मां सरस्वती की आराधना वन्दन से हुआ । तत्पश्चात कार्यक्रम की अध्यक्षा महाविद्यालय प्राचार्या ने महाराजा सुहेलदेव के गौरवपूर्ण व्यक्तित्व एवं बलिदान से परिचित कराते हुए अपने प्रभावशाली वक्तव्य में छात्राओं को किसी भी कार्य हेतु एक जुनून रखने के लिए अभिप्रेरित किया। तत्पश्चात कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए कार्यक्रम संचालिका एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ नीलम शर्मा के महाराजा सुहेलदेव के व्यक्तित्व एवं शौर्य पूर्ण चरित्र पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात राष्ट्रीय कैडेट कोर प्रभारी लेफ्टिनेंट डॉ मीनाक्षी लोहानी द्वारा महाराजा सुहेलदेव से संबंधित डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई । इसके बाद समस्त प्राध्यापकों कर्मचारियों एवं छात्राओं को उत्तर प्रदेश के बहराइच में आयोजित होने वाली महाराजा सुहेलदेव स्मारक शिलान्यास कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिखाया गया। जिसमें माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा वर्चुअल रूप से कार्यक्रम में प्रतिभागिता करते हुए महाराजा सुहेलदेव स्मारक का शिलान्यास किया गया एवं अपने आशीर्वचन से सभी को लाभान्वित किया। इसके अतिरिक्त महाराजा सुहेलदेव जयंती के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में ''महाराजा सुहेलदेव का शौर्य एवं बलिदान'' विषय पर निबंध प्रतियोगिता एवं ''स्वाधीनता संग्राम'' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम महाविद्यालय प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ के कुशल मार्गदर्शन एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर प्रभारी लेफ्टिनेंट डॉ मीनाक्षी लोहानी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ नीलम शर्मा एवं अन्य सदस्यों के कुशल निर्देशन में संपन्न किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों एवं छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

चौरा चौरी शताब्दी वर्ष पर व्याख्यान

महाविद्यालय के इतिहास विभाग के तत्वावधान में दिनांक 20–02–2021 को चौरी चौरा शताब्दी वर्ष समारोह पर आयोजित व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत प्राचार्या महोदया के निर्देशन में भारतीय स्वाधीनता आंदोलन एवं गांधीवादी रणनीतिः चौरी चौरा के संदर्भ में ,विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का संचालन ,इतिहास विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ निधि रायजादा ने किया । प्रमुख वक्ता के रूप में, सहायक प्राध्यापक श्री अरविंद सिंह ने ,चौरी चौरा की घटना के विशेष संदर्भ में ,ब्रिटिश साम्राज्यवाद एवं भारतीय स्वाधीनता आंदोलन का विश्लेषण करते हुए गांधीवादी रणनीति के प्रमुख तत्व– जन आंदोलन, सत्याग्रह एवं अहिंसा की विस्तृत व्याख्या प्रस्तुत की । इस अवसर पर विभिन्न विभागों के समस्त प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर संगोष्ठी का आयोजन

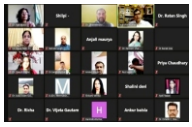

महाविद्यालय में दिनांक 21 फरवरी 2021 को उ०प्र० शासन के निर्देश के अनुपालन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वयन समिति के तत्वावधान में शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया । जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ0)दिव्या नाथ ने की। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता लेफ्टिनेंट (डॉ.) धर्मेंद्र कुमार सर्राफ सहायक आचार्य, शिक्षा विभाग डॉ० हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर म०प्र० थे। स्वागत उद्बोधन एवं संगोष्ठी संचालन बी.एड विभाग के प्रभारी डॉ बलराम सिंह द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सभी प्रमुख बिंदुओं जैसे– शिक्षा के उद्देश्य, शिक्षा की नवीन संरचना, शिक्षक प्रशिक्षण, पूर्व बाल्यकाल शिक्षा एवं व्यापक मूल्यांकन पर विस्तृत प्रकाश डाला । प्राचार्या ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सभी को अवगत कराया कि नई शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप उ०प्र० उच्च शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा अपने स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में बदलाव किया जा रहा है और प्राध्यापकों के सतत् व्यावसायिक विकास हेतु प्रयास किया जा रहा है।

कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वयन समिति समन्वयक डॉ. किशोर कुमार द्वारा प्राचार्या, मुख्य वक्ता तथा सभी उपस्थित विद्वतजनों के प्रति आभार व्यक्त किया गया । कार्यक्रम के आयोजन में बीएड संकाय के प्राध्यापकों के साथ साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वयन समिति के सलाहकार डॉ दिनेश चंद शर्मा, प्रभारी डॉ दीप्ति वाजपेयी, डॉ शिल्पी , डॉ हरिन्द्र , डॉ विजेता गौतम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। संगोष्ठी में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं छात्राएं मौजूद रहे ।

वार्षिक क्रीड़ा समारोह

महाविद्यालय में दिनाँक 23–24 फरवरी को वार्षिक क्रीड़ा समारोह का आयोजन किया गया। प्रथम दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ द्वीप प्रज्ज्वलन एवं माँ सरस्वती वंदना से हुआ। छात्राओं द्वारा शानदार मार्चपास्ट प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा०डी.एन.शर्मा, सुप्रसिद्ध योगाचार्य, (राष्ट्रीय आयुर्वेद रत्न एवं रामकुमार गुप्त स्मृति अवार्ड से सम्मानित) का स्वागत कार्यक्रम की अध्यक्षा महाविद्यालय प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ ने सैपलिंग के द्वारा एवं छात्राओं द्वारा स्वागत गीत से किया गया। उन्होंने मशाल प्रज्ज्वलन द्वारा खेल कार्यक्रमों के प्रारम्भ की औपचारिक घोषणा की।उन्होंने कहा मानव शरीर स्व संचालित है और गति में रहना ही स्वास्थ्य को निश्चित करता है। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि योग की प्रासंगिकता सदैव से रही है और विशेष रूप से आज के इस कठिन दौर में हमें योग और आयुर्वेद को अपने जीवन में महत्त्व देना चाहिए। प्रतियोगिता के प्रथम दिन गोला फेंक, लम्बी कूद एवं चक्का फेंक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । गोला फेंक प्रतियोगिता में कोमल प्रथम, प्रिया द्वितीय तथा मुस्कान तृतीय स्थान पर रहीं। लम्बी कूद प्रतियोगिता में अंजलि तोमर प्रथम, सपना नागर द्वितीय तथा ज्योति नागर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चक्का फेंक में कोमल प्रथम, प्रियंका चौधरी द्वितीय तथा प्रिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। क्रीड़ा समारोह के द्वितीय दिवस पर 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़, भाला फेंक, रस्सी कूद, म्यूजिकल चेयर, ऊंची कूद आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 100 मी दौड़ में ज्योति चौधरी प्रथम,शिप्रा तोमर द्वितीय तथा पिंकी तृतीय स्थान पर रहीं। 200 मी दौड़ में ज्योति चौधरी प्रथम, कोमल नागर द्वितीय तथा कोमल तृतीय स्थान पर रहीं। 400 मी दौड़ में इंदू तोमर प्रथम, प्राची भाटी द्वितीय तथा कोमल तृतीय स्थान पर रहीं। 800 मी की दौड़ में शीतल प्रथम, इंदू तोमर द्वितीय तथा प्रीति सिंह तृतीय स्थान पर रहीं। ऊँची कूद प्रतियोगिता में पूनम प्रथम, प्राची नागर द्वितीय तथा निधि तृतीय स्थान पर रहीं। म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में इंदू शर्मा प्रथम, निशु विकल द्वितीय तथा शालू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रस्सी कूद में श्रुति प्रथम, सोनिया द्वितीय तथा अवना पवार तृतीय स्थान पर रहीं। भाला फेंक में निधि प्रथम, शिवानी द्वितीय तथा मुस्कान तृतीय स्थान पर विजयी रहीं। इस वर्ष की चैम्पियन ट्रॉफी ज्योति चौधरी, (बी. ए. प्रथम) ने प्राप्त की। समापन समारोह में मुख्य अतिथि डा० महावीर सिंह, चेयरमैन टेम्पल ग्रुप ऑफ इंस्टिटूशन ऑफ हार्टफुलनेस ने विजयी छात्राओं को पुरस्कार वितरित किए। उन्होंने कहा कि विजेता होने से अधिक महत्त्वपूर्ण है सहभागिता करना। महाविद्यालय की प्राचार्या ने इस अवसर पर विजयी छात्राओं व प्रतिभागियों को बधाई व आशीर्वाद दिया। क्रीड़ा महोत्सव का आयोजन क्रीड़ा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्यंत कुमार के सफल निर्देशन में सम्पन्न हुआ। मंच संचालन डॉ० संजीव कुमार ने किया, एवं औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन डॉ० मिंतु ने दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

महाविद्यालय में उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार महिलाओं के सुरक्षा सम्मान व स्वावलंबन हेतु दिनांक 17 अक्टूबर 2020 से संचालित मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत मिशन शक्ति टीम द्वारा नारी सशक्तिकरण से संबंधित विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मिशन शक्ति के 10 दिवसीय विशेष अभियान के प्रथम दिवस 26 फरवरी 2021 को रीड इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से भारत में लिंगानुपात विषमता विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया, जिसमें सुश्री दीक्षा तथा श्री अजीत जी ने भारत में लिंगानुपात की असमानता विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। द्वितीय दिवस पर साइबर सुरक्षा विषय पर रीड इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से मुख्य वक्ता सुश्री दीक्षा ने छात्राओं को साइबर अपराधों एवं उनसे बचाव के उपाय बताएं । 28 फरवरी को महिला सशक्तिकरण के विविध आयाम विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें सुश्री शालिनी जीसीआई 13 यूपी गर्ल्स बटालियन गाजियाबाद उपस्थित रही। 1 मार्च को महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा प्रभारी डॉ. सत्यन्त कुमार ने छात्राओं को आत्मरक्षा शिविर में मार्शल आर्ट से संबंधित विभिन्न तकनीकों की जानकारी दी। मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित ई –व्याख्यानमाला के अंतर्गत इलाहाबाद हाईकोर्ट की अधिवक्ता सुश्री रुचि सिंह द्वारा महिलाओं से संबंधित अधिकार व कानून विषय पर व्याख्यान दिया गया। 2 मार्च को रेंजर प्रभारी डॉ सुशीला द्वारा समूह चर्चा का आयोजन किया गया। 3 मार्च 2021 को महिला सशक्तिकरण विषय पर आधारित समूह गीत, नृत्य तथा नाटक प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसी दिवस डॉ शिल्पी वर्मा द्वारा छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु कंप्यूटर प्रशिक्षण भी प्रारंभ किया गया। 4 मार्च को ''मिशन शक्ति योजना की सार्थकता'' विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई । 5 मार्च को डॉ अर्चना सिंह के नेतृत्व में मिशन शक्ति समिति व छात्राओं ने ग्राम बादलपुर में महिलाओं को अंधविश्वास ,रूढ़ियों और प्राचीन परंपराओं के प्रति जागरूक करने हेतु जन जागरूकता रैली निकाली। 6 मार्च को योग शिविर का आयोजन किया गया। दिव्य दर्शन योग संस्थान बादलपुर से योगीराज श्री परम देव जी ने योग के महत्व व योग आसनों से होने वाले लाभ के विषय में छात्राओं को बताया। तत्पश्चात् उन्होंने विभिन्न योगासनों का अभ्यास भी कराया। शिविर के उपरांत महिला सशक्तिकरण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 7 मार्च को महाविद्यालय की छात्राओं ने बादलपुर ग्राम में जाकर ग्रामीण महिलाओं को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जाने वाली महिलाओं से संबंधित योजनाओं के बारे में जागरूक किया। 8 मार्च 2021 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस अवसर पर अमर उजाला दैनिक समाचार पत्र के सहयोग से सेमिनार का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में विजयी छात्राओं को प्राचार्या द्वारा महिला दिवस पर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्या महोदया ने महाविद्यालय की मिशन शक्ति समिति के कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि इस योजना की सफलता इसी में निहित है यदि हर महिला स्वाबलंबी, आत्मनिर्भर और निर्णय लेने में स्वतंत्र हो जाए। अंत में डॉ नेहा त्रिपाठी द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। मिशन शक्ति योजना के तत्वावधान में महाविद्यालय मिशन शक्ति प्रभारी डॉ अर्चना सिंह व महिला प्रकोष्ठ सह प्रभारी डॉ दीप्ति वाजपेयी, डॉ शिल्पी वर्मा, डॉ नेहा त्रिपाठी, रेंजर्स प्रभारी डॉ सुशीला, राष्ट्रीय कैडेट कोर प्रभारी लेफ्टिनेंट डॉ मीनाक्षी लोहानी, शारीरिक शिक्षा प्रभारी डॉ धीरज कुमार, डॉ सत्यन्त कुमार, राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम इकाई प्रभारी डॉ विनीता सिंह, द्वितीय इकाई प्रभारी डॉ. नीलम शर्मा, डॉ प्रतिभा तोमर डॉ, मनी अरोड़ा,डॉ रमाकांति, डॉ भावना यादव, डॉ रिचा, डॉ बलराम सिंह, डॉ. अरविंद यादव, डॉ. मिन्तु, डॉ. विजेता गौतम, डॉ. सोनम शर्मा, कार्यालय अधीक्षक श्री महेश भाटी, कार्यालय लिपिक श्री माधव केसरवानी श्री अभिषेक कुमार ने शारदीय नवरात्रि से वासन्तिक नवरात्रि तक आयोजित मिशन शक्ति के प्रति दिवस आयोजित कार्यक्रम में अपनी महत्वपूर्ण व सराहनीय भूमिका का निर्वहन करते हुए इस योजना को सफल बनाने में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया।

जैविक कृषि उत्पाद मेले का आयोजन

महाविद्यालय में एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति के सौजन्य दिनाँक 01 मार्च 2021 को जैविक कृषि उत्पाद मेला आयोजित किया गया। इस भव्य मेले में जैविक कृषि उत्पादक संगठन,ग्राम खंडरा,तहसील दादरी द्वारा जैविक कृषि की विधि तथा तैयार उत्पाद प्रदर्शित किए गए। मेले का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ द्वारा रिबन काट कर किया गया। अपने अध्यक्षीय उदबोधन में प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ ने बढ़ती हुई जनसंख्या, पर्यावरण प्रदूषण,

भूमि की उर्वरक शक्ति के संरक्षण एवं मानव स्वास्थ्य के लिए जैविक खेती की राह को ही समाधान की राह बताया। जैविक मेले में छात्राओं एवं शिक्षकों द्वारा विभिन्न जैविक उत्पादों जैसे शुद्ध देसी घी,पीली सरसों का तेल, अचार,मसाले,पनीर,सब्जियों आदि की जमकर खरीदारी की गयी। कृषि उत्पाद संगठन की ओर से श्री मनेंद्र सिंह,श्री संजीव कुमार प्रेमी, श्री ओमवीर सिंह तथा श्री मुकेश शर्मा द्वारा प्रत्येक ग्राहक को जैविक उत्पादों एवं स्वास्थ्य के संरक्षण एवम संवर्धन के मध्य सकारात्मक सहसम्बन्ध को समझाया गया। इस अवसर पर ओम वर्मी कंपोस्ट समूह द्वारा भी अपना स्टाल लगाया गया जहां समूह प्रभारी श्री मुकेश द्वारा वर्मीकम्पोस्ट खाद बनाने की विधि के साथ साथ उसके महत्व को भी बताया गया।एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति की प्रमुख सलाहकार डॉ. शिल्पी ने जैविक कृषि को दैविक कृषि कहते हुए कहा कि इसके द्वारा पर्यावरण संरक्षित कृषि को बढ़ावा देकर पैदावार में वृद्धि हेतु रासयनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम की जा सकती है।कार्यक्रम के समापन के अवसर पर एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति की नोडल प्रभारी लेफ्टिनेंट (डॉ.) मीनाक्षी लोहनी ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर समिति के सदस्य डॉ. बबली अरुण, डॉ. विजेता गौतम तथा डॉ. संजीव कुमार सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों का सहयोग एवं छात्राओं की सहभागिता सराहनीय रही।

चित्रकला प्रदर्शनी ''अभिव्यक्ति'' का आयोजन

महाविद्यालय के चित्रकला विभाग द्वारा दिनांक 3 मार्च 2021 को चित्रकला प्रदर्शनी ''अभिव्यक्ति'' का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य दिव्या नाथ ने फीता काटकर किया। प्रदर्शनी में चित्रकला विषय की बी ए प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष की छात्राओं ने विभागाध्यक्ष श्रीमती शालिनी तिवारी के मार्गदर्शन में अपनी कला और कल्पना की सौंदर्यमयी अभिव्यक्ति दी। प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार के माध्यमों द्वारा जैसे जल रंग, पेंसिल शेडिंग, ऐक्रेलिक रंग आदि के प्रयोग द्वारा जीवन के विभिन्न आयामों जैसे सामाजिक, धार्मिक व भावनात्मक आयामों को कलात्मक अभिव्यक्ति दी गई। मानव एवं प्रकृति एक दूसरे के पूरक हैं, प्रकृति के बिना मानव के अस्तित्व की कल्पना किसी भी प्रकार संभव नहीं है, इसी भावना को छात्राओं ने बखूबी अपने चित्रों में संजोया। जिस प्रकार भारत विविधता से पूर्ण देश है, उसी प्रकार इस प्रदर्शनी में भी विषय वस्तु की विविधता देखने को मिली। प्राचार्या द्वारा छात्राओं के प्रयासों की भूरि भूरि प्रशंसा की गई। इस अवसर पर डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. दीप्ति वाजपेयी, डॉ. निधि रायजादा डॉ प्रतिभा, डॉ. मिंतु, डॉ. विनीता सिंह सहित महाविद्यालय के विभिन्न प्राध्यापक एवं छात्राएं उपस्थित थी।

विज्ञान प्रदर्शनी

दिनांक 9 मार्च 2021 को महाविद्यालय के विज्ञान संकाय में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ के निर्देशन मे विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया । जिसमें महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक गण उपस्थित रहे। प्रदर्शनी में छात्राओं ने विभिन्न कार्यशील एवं अचलित मॉडल तैयार कर विज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों को समझाने का प्रयास किया। उक्त प्रदर्शनी में छात्राओं के बनाए मॉडलों में एक प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें डॉ किशोर कुमार, डॉ शिवानी वर्मा एवं डॉ रमाकांति द्वारा निर्णायक मंडल की भूमिका अदा की गई। प्रतियोगिता में कुमारी शिक्षा, बीएससी द्वितीय वर्ष का बनाया हुआ जेसीबी मॉडल प्रथम, कुमारी प्रिया नागर ,एम एस सी प्रथम द्वारा बनाया गया डीएनए मॉडल द्वितीय तथा शिवानी चावला ,एम एस सी प्रथम द्वारा बनाया गया कोशिका झिल्ली द्वारा पदार्थों के आवागमन का मॉडल तृतीय स्थान पर रहा। इस प्रतियोगिता में लगभग 75 मॉडल तैयार किए गए जिसमें समूह एवं एकल मिलाकर कुल 100 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। उक्त प्रदर्शनी के संचालन में विज्ञान संकाय के प्रभारी डॉ दिनेश चंद्र शर्मा तथा अन्य प्राध्यापकगण श्रीमती नेहा त्रिपाठी, डॉ प्रतिभा तोमर, डॉ ऋचा, डॉ आजाद आलम सिद्दीकी एवं डॉ हेमंत का उल्लेखनीय सहयोग रहा।

आजादी अमृत महोत्सव

भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ''आजादी अमृत'' महोत्सव के अंतर्गत दिनांक 12 मार्च 2021 को 'राष्ट्रधर्म एवं राष्ट्रवाद' विषय पर महाविद्यालय में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. ममता उपाध्याय ने 'राष्ट्रधर्म एवं राष्ट्रवाद' की धारणा को स्पष्ट किया। अन्य वक्ताओं के रूप में डॉ. निधि रायजादा एवं डॉ. मोहम्मद वकार रजा, के द्वारा भी विचार व्यक्त किए गए। संगोष्ठी का आयोजन राजनीति विज्ञान विभाग एवं इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। संगोष्ठी का संचालन डॉ. ममता उपाध्याय द्वारा किया गया।इस संगोष्ठी में महाविद्यालय की एम.ए., बी.एड. एवं अन्य संकायों की छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भागीदारी की। बी.एड. संकाय की कु. प्रिया, वैशाली, अंजली दुबे एवं एम. ए. की छात्रा कुमारी निशू भाटी ने उक्त विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। दीप प्रज्ज्वलन के माध्यम से संगोष्ठी का शुभारंभ कर एवं अपनी उपस्थिति के माध्यम से प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी ने आजादी की 75 वीं वर्षगांठ की शुभकामनाएं सभी प्राध्यापकों एवं छात्राओं को दी। महाविद्यालय के प्राध्यापकों डॉ. दीप्ति वाजपेयी, डॉ. सतीश चंद, डॉ. विजेता गौतम, डॉ. किशोर कुमार, डॉ. रमाकान्ति, डॉ. रतन सिंह ने अपनी गरिमापूर्ण उपस्थिति से कार्यक्रम को ऊर्जस्वित किया। इसी क्रम में दिनांक 12 मार्च 21 को ही छात्राओं की एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका विषय 'भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की संघर्ष गाथा' था। उल्लेखनीय है कि 12 मार्च की ऐतिहासिक तिथि को ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के द्वारा दांडी यात्रा प्रारंभ कर ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध दूसरा जन आंदोलन 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' शुरू किया गया था। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कुमारी कोमल भाटी एवं द्वितीय स्थान कुमारी अंजली भाटी ने प्राप्त किया। राष्ट्रीय स्वतंत्रता संघर्ष में स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि स्वरुप छात्राओं के लिए एक 'विस्मृत स्वतंत्रता सेनानी परिचय' प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 24 जून 21 को किया गया, जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने आकर्षक ढंग से सचित्र परिचय प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कुमारी मीरा शर्मा, बी.ए. प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान कु. कोमल भाटी, एम. ए. प्रथम वर्ष एवं तृतीय स्थान कु. रितु कुमारी, बी.ए. प्रथम वर्ष, ने प्राप्त किया। दिनांक 5 अप्रैल 2021 को दांडी यात्रा की समाप्ति की वर्षगांठ पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रमाण–पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

महाविद्यालय में 13 मार्च 2021 को शिक्षा का वैश्विक परिदृश्य तथा समग्र विकास : नई शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया । उच्च शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा अनुदानित इस राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि पद्मश्री से सम्मानित प्रोफेसर जगमोहन सिंह राजपूत पूर्व निदेशक एनसीआरटी एवं भारतीय प्रतिनिधि यूनेस्को एग्जीक्यूटिव बोर्ड एवं मुख्य वक्ता पीके मिश्रा एवं अशोक कुमार गाड़िया, चेयरमैन मेवाड़ ग्रुप रहे।

प्राचार्य डॉ दिव्या नाथ ने अपने स्वागत उद्बोधन में समस्त विशिष्ट अतिथियों का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार को अत्यधिक उपयुक्त एवं प्रासंगिक बताया । इसके बाद सेमिनार संयोजक डॉ संजीव कुमार ने सेमिनार के विषय पर विस्तृत प्रकाश डाला। माननीय मुख्य अतिथि प्रोफेसर जगमोहन सिंह राजपूत ने नई शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए इसे शिक्षा के क्षेत्र मे वर्तमान की आवश्यकता बताया । अपने बीज वक्तव्य में डॉ. पी के मिश्रा , पूर्व डीन शिक्षा विभाग चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ ने नई शिक्षा नीति के संदर्भ में समग्र विकास पर विशेष बल दिया जिसमें शारीरिक, मानसिक, मनोवैज्ञानिक, आध्यात्मिक, चारित्रिक आदि सर्वांगीण विकास की बात की गई है। तत्पश्चात माननीय शिक्षा मंत्री दिनेश चंद शर्मा जी ,अपर मुख्य सचिव मोनिका एस. गर्ग और शिक्षा निदेशक प्रोफेसर अमित भारद्वाज का आशीर्वचन एवं हार्दिक संदेश वीडियो क्लिपिंग के माध्यम से प्राप्त हुआ जिसमें सेमिनार की सफलता की शुभकामनाएं प्रेषित की गई । विशिष्ट सत्र में डॉ अनीता रानी राठौर, एंकर भाषा ग्रुप, राष्ट्रीय शिक्षा नीति पाठ्यक्रम पुनर्निर्माण समिति एवं प्रोफेसर शारदा सिन्हा शिक्षक शिक्षा विभाग एनसीईआरटी दिल्ली एवं डॉ वीके सिंह एसोसिएट प्रोफेसर एंकर विज्ञान राष्ट्रीय शिक्षा नीति पाठ्यक्रम पुनर्निर्माण समिति विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। इसके बाद तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया जिसमें डॉ उमा जोशी, एसोसिएट प्रोफेसर गृह विज्ञान वी.एम.एल.जी. कॉलेज गाजियाबाद, डॉ. प्रदीप कुमार, विभागाध्यक्ष शिक्षा विभाग डीएस कॉलेज अलीगढ़, डॉ राकेश राना एसोसिएट प्रोफेसर समाजशास्त्र एमएमएच कॉलेज गाजियाबाद, डॉ. रिंकल शर्मा असिस्टेंट प्रोफेसर शारदा विश्वविद्यालय डॉक्टर संजय सिंह एसोसिएट प्रोफेसर इतिहास विभाग एमएमएच कॉलेज गाजियाबाद डॉ. बी.सी. जाट भूगोल विभाग राजकीय पीजी महाविद्यालय राज खेड़ा राजस्थान आदि की अध्यक्षता में विभिन्न तकनीकी सत्रों में विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रोफेसर कुमार रत्नम, सदस्य सचिव भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली एवं भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद नई दिल्ली, अतिथि वक्ता डॉ. आर. के. गुप्ता क्षेत्रीय अधिकारी मेरठ उपस्थित रहे । डॉ आर के गुप्ता ने नई शिक्षा नीति 2020 पर व्यापक विचार–विमर्श के लिए आयोजित इस सेमिनार की अत्यधिक प्रशंसा करते हुए क्रियान्वयन के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर कुमार रत्नम ने नई शिक्षा में आध्यात्मिकता पर विशेष बल देते हुए गहन चिंतन मनन के लिए आयोजित इस सेमिनार की प्रशंसा की एवं इस सेमिनार के आयोजन के लिए महाविद्यालय प्राचार्या एवं सेमिनार आयोजक समिति को बहुत–बहुत बधाई दी। अंत में संपूर्ण सेमिनार की आख्या आयोजन सचिव डॉ रमाकान्ति द्वारा प्रस्तुत की गई। सेमिनार का सफल आयोजन महाविद्यालय प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ के कुशल निर्देशन में सेमिनार संयोजक डॉ संजीव कुमार, सह संयोजक डॉ मीनाक्षी लोहानी, आयोजन सचिव डॉ बलराम सिंह एवं डॉ रमाकांति तथा संपूर्ण आयोजन समिति एवं महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों का उल्लेखनीय योगदान रहा। इसमें विभिन्न राज्यों से आए लगभग 700 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया एवं अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह

दिनांक 15 मार्च 2021को महाविद्यालय का इक्कीसवाँ वार्षिक उत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित संस्था की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ ने अपने उद्बोधन में शिक्षा के क्षेत्र में संस्था की उपलब्धियों को बताया । इसी क्रम में उन्होंने सफलता के लिए संकल्प एवं सकारात्मकता के महत्व को भी समझाते हुए छात्राओं को अभिप्रेरित किया। मुख्य अतिथि के कर कमलों से दीप प्रज्ज्वलन के उपरांत डॉ. बबली अरुण के निर्देशन में सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किये गए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में ''नारी तुम केवल श्रद्धा हो'' गीत पर एम.एस.सी की छात्रा कु.ज्योति शर्मा द्वारा तांडव तथा माँ काली स्वरूप नृत्य प्रस्तुति दी गयी। जिसके बाद गिद्दा नृत्य द्वारा छात्राओं ने पंजाबी संस्कृति को प्रस्तुत किया। इसके उपरान्त सर्वोच्च अंक अर्जित करने वाली तथा अन्य प्रतियोगिताओं की विजेता छात्राओं को महाविद्यालय की प्राचार्या के कर कमलों से पुरस्कार प्रदान किये गए। इस अवसर पर उद्घोषणा का दायित्व डॉ. नेहा त्रिपाठी द्वारा निभाया गया। बी.एड. की छात्राओं द्वारा महिला सशक्तिकरण पर आधारित लघु नाटिका के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों पर कटाक्ष किया गया। उक्त के अतिरिक्त छात्राओं ने बैले नृत्य तथा होली नृत्य के द्वारा कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की । तत्पश्चात साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद् के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिताओं के पुरस्कार प्राचार्य एवं साहित्यिक सांस्कृतिक प्रभारी डॉ. दीप्ति वाजपेयी द्वारा वितरित किए गए। पुरस्कारों की उद्घोषणा डॉ. अर्चना सिंह द्वारा की गई। डॉ. श्वेता सिंह द्वारा शैक्षिक सत्र 2020– 21 की वार्षिक आख्या प्रस्तुत की गई। मंच का प्रभावशाली संचालन महाविद्यालय की मुख्य समारोहिका एवं कार्यक्रम संयोजिका डॉ. रश्मि कुमारी द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. संजीव कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर समारोह समिति ,सांस्कृतिक समिति , साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं छात्राओं की उपस्थिति एवम सहयोग सराहनीय रहा।

रोजगार मेले का आयोजन

महाविद्यालय करियर काउंसलिंग एवं मेधा लर्निंग फाउंडेशन बैनर के तले छात्राओं के लिए दिनांक 19 मार्च को रोजगार मेले प्लेसमेंट ड्राइव, का आयोजन किया गया । रोजगार मेले की शुरुआत महाविद्यालय कि प्राचार्य डॉ दिव्यानाथ के प्रेरक वक्तव्य के साथ हुई । छात्राओं को रोजगार देने हेतु प्रसिद्ध कंपनी केयर हेल्थ इंश्योरेंस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने महाविद्यालय में कैंपस प्लेसमेंट किए । कंपनी की एच.आर मैनेजर साक्षी निगम एवं टीम लीडर परविंदर कौर ने 30 छात्राओं के चयन हेतु महाविद्यालय कि लगभग 100 छात्राओं का साक्षात्कार लिया । करियर काउंसलिंग टीम के सभी सदस्य डॉ शिल्पी ,डॉ मीनाक्षी लोहानी , डॉ सत्यंत कुमार , एवं डॉ सीमा द्वारा निरंतर प्रयास किया जा रहा है कि भविष्य में भी छात्राओं को ऐसे अवसर उपलब्ध कराए जा सके कि वह रोजगार प्राप्त कर सकें और अपने भविष्य को एक नई ऊंचाई प्रदान कर सकें।

त्रिदिवसीय रेंजर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

महाविद्यालय में दिनांक 18 मार्च से 20 मार्च तक रेंजर्स के तीन दिवसीय प्रशिक्षण एवं मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया। प्राचार्या डा० दिव्या नाथ के संरक्षण एवं रेंजर्स प्रभारी डा० सुशीला के कुशल निर्देशन में रेंजर्स ने विभिन्न राज्यों की कला एवं संस्कृति को आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया । शिविर में रेंजर्स को गाँठें, बन्धन, प्राथमिक चिकित्सा, गेजेट्स, पुल निर्माण तथा तम्बू निर्माण इत्यादि का प्रशिक्षण डी०ओ०सी० जिला गौतम बुद्ध नगर श्री शिवकुमार तथा रेंजर्स प्रभारी द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण शिविर के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया जैसे सम सामयिक सामाजिक विषयों पर निबंध लेखन, पोस्टर प्रतियोगिता, हस्त शिल्प कला कौशल प्रतियोगिता तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। विजयी छात्राओं को प्राचार्या के द्वारा पुरस्कृत किया गया। सर्वश्रेष्ठ रेंजर्स का पदक सुश्री भूमिका को प्रदान किया गया । इस अवसर पर रेंजर्स समिति के सभी सदस्य डा० भावना यादव, डा० ऋचा, डा० रमाकांति, डा० माधुरी पाल एवं महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक भी उपस्थित रहे।

शिक्षा संकाय द्वारा शैक्षिक भ्रमण

दिनांक 21 मार्च से 24 मार्च तक महाविद्यालय के बी. एड. विभाग के प्राध्यापक तथा बी एड प्रथम व द्वितीय वर्ष की कुल मिला कर 65 छात्रायें हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में शैक्षिक भ्रमण पर गए। 21 मार्च को पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से रात 9 बजे कालका मेल से कालका के लिए प्रस्थान किया जहां सुबह 4 बजे पहुँच गए। तत्पश्चात सुबह 5.30 पर टॉय ट्रेन से शिमला के लिए निकल पड़े। शिमला पहुँचने पर सभी ने वहाँ के खूबसूरत पर्वत ऋंखला व शुद्ध वातावरण का आनंद लिया व वहाँ पर स्थित प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भी देखे। वहाँ के माल रोड पर स्थित प्राचीन चर्च, वहाँ का प्रसिद्ध लक्कड़ बाजार एवं पत्थरों से बनी भव्य इमारतों की सुन्दरता देखते ही बनती थी। ताजी गिरी बर्फ से ढके पहाड़ों को देखने के लिए नारकंडा गए जहाँ सेब और अखरोट के बागान मिले तथा ताजी गिरी बर्फ के गोले बना कर खेलने का भी आनंद उठाया। शिमला स्थित हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, एवं भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान का भी भ्रमण किया। वहाँ पर चलाए जा रहे अन्य कोर्स व उनमे प्रवेश पाने की जानकारी भी ली। शिमला के स्थानीय लोगों से बातचीत करके उनकी संस्कृति, परम्पराएँ एवं उनके सादगी भरे व्यवहार को जानने का अवसर भी मिला। 25 मार्च की सुबह सभी लोग वापस दिल्ली आ गए। छात्राओं ने इस टूर के अनुभव को अत्यधिक रोमांचकारी एवं सुखद बताया व महाविद्यालय की प्राचार्या एवं प्राध्यापकों को यह अवसर प्रदान करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

वाणिज्य संकाय एवं इतिहास विभाग में प्री. पीएच. डी. सबमिशन सेमिनार

महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय में दिनांक 3 मार्च 2021 को वाणिज्य संकाय प्रभारी डॉ अरविंद कुमार यादव असिस्टेंट प्रोफेसर, वाणिज्य संकाय के कुशल निर्देशन में शोध छात्रा कु. सीमा चौधरी का ''**An Analysis of India's foreign trade relations with European countries since 2015**,'' विषय पर प्री. पीएच् . डी. सबमिशन सेमिनार का आयोजन किया गया। दिनांक 26 मार्च 2021 को इतिहास विभाग में शोध निर्देशक डॉ किशोर कुमार , एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में शोध छात्रा श्रीमती अंजना का ''ब्रिटिश कालीन भारतीय शिक्षा नीति (1854 से 1947 ईसवी तक)'' विषय पर प्री.पीएच.डी. सबमिशन सेमिनार आयोजित हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ दिव्या नाथ शोध समिति प्रभारी डॉ दिनेश चंद शर्मा एवं समिति सदस्य डॉ आशा रानी, डॉ. दीप्ति वाजपेयी, डॉ. मीनाक्षी लोहानी, दोनों ही शोध छात्राओं के शोध निर्देशक डॉ. किशोर कुमार एवं डॉ. अरविंद कुमार यादव सहित महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे।

इनोवेशन काउंसिल के तत्वावधान में कार्यशाला का आयोजन

कोविड–19 के दौर में आपदा को अवसर बदलने के क्रम में ज्ञान– विज्ञान के प्रसार – प्रचार की दिशा में इनोवेशन काउंसिल के तत्वाधान में दिनांक 29 अप्रैल 2021 को ऑनलाइन जूम ऐप के माध्यम से डॉ. दिव्या नाथ की अध्यक्षता एवं संरक्षण में बिल्डिंग इनोवेशन एवं प्रोडक्ट्स फॉर मार्केट जैसे प्रासंगिक विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका संचालन डॉ. किशोर कुमार एवं डॉ. नेहा त्रिपाठी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यशाला के प्रमुख वक्ता डॉ. राघवेंद्र शर्मा ,अध्यक्ष,(ICFAI,देहरादून विश्वविद्यालय)ने प्रयोग –असफलता– सीखना–सफलता के सिद्धांत के साथ अपना व्याख्यान प्रारंभ किया। उन्होंने व्यापार करने का मूल मंत्र ,बाजार की अवस्थिति के आधार पर नवीन दृष्टिकोण का कार्यान्वयन, बाजार में प्रस्तुत किए जाने वाले प्रासंगिक द्रव्य इत्यादि विषय पर अतिव्यवहारिक उपयोगी व्याख्यान दिया। उक्त कार्यशाला के प्रतिभागी छात्राओं के लिए करियर संबंधित भावी योजनाएं एवं आशाएं विचारों के रूप में अंकुरित हुई जिसे कुछ छात्राओं ने कार्यशाला में साझा भी किया। डॉ राघवेंद्र शर्मा ने कार्यशाला के आखिरी चरण में छात्राओं की कई प्रासंगिक एवं उपयोगी प्रश्नों का निदान कर उनके रोजगार केंद्रित करियर को दिशा प्रदान की। प्रस्तुत कार्यशाला छात्राओं के हित में उनको सही दिशा दिखाने के संदर्भ में अपने उद्देश्यों में सफल रहा, जिसमें इनोवेशन काउंसिल के सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

कैरियर काउंसलिंग प्रकोष्ठ के अंतर्गत विविध कार्यक्रमों का आयोजन

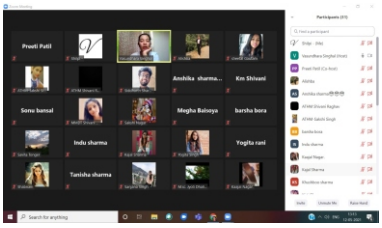

महाविद्यालय में कैरियर काउंसलिंग प्रकोष्ठ के तत्त्वावधान में डॉ शिल्पी के नेतृत्व में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें दिनांक 12 मई को कैरियर काउंसलिंग एवं Technoserve की प्लेसमेंट यूनिट के तत्वाधान में ''ओरियंटेशन एंड प्रिपरेशन फॉर जॉब'' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया । दिनांक 1 जून 2021 को कैरियर काउंसलिंग एवं Technoserve के तत्वावधान में Online Parents engagement session का आयोजन जूम प्लेटफार्म पर किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों को छात्राओं से जुड़े रोजगार संबंधित संचालित कार्यक्रमों के संबंध में विस्तृत जानकारी तथा ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार संबंधित कठिनाइयों का निवारण करना था। इस कार्यक्रम में लगभग 40 अभिभावकों, टेक्नोसर्व से श्री सिद्वार्थ एवं श्रीमती दीक्षा तथा कैरियर काउन्सलिंग प्रभारी श्रीमती शिल्पी उपस्थित रहीं। मेधा के सौजन्य से तनु शर्मा, काजल नागर एवं कीर्ति सक्सेना ने APPWARS द्वारा आयोजित ऑनलाइन इंटर्नशिप प्रोग्राम ऑन डाटा एंट्री कोर्स 6 जनवरी से 5 फरवरी 2021 तक पूर्ण कर प्रमाण पत्र प्राप्त किए। इस सत्र में ही मेधा गैर सरकारी संगठन द्वारा दो समूह का ही E-Cab प्रशिक्षण पूर्ण कर 23 छात्राओं को प्रमाण पत्र निर्गत किया गया। साथ ही Technoserve द्वारा 65 छात्राओं को कम्युनिकेशन एंड इंटरव्यू प्रिपरेशन विषय पर 3 माह का प्रशिक्षण दिया गया। कैरियर काउंसलिंग प्रकोष्ठ के अंतर्गत आयोजित समस्त कार्यक्रमों के आयोजन में समिति प्रभारी एवं समस्त सदस्यों का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की सत्र की तृतीय बैठक सम्पन्न

महाविद्यालय में सत्र 2020–21 में महाविद्यालय आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) की तृतीय बैठक दिनाँक 29 मई , 2021 को ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की गई । बैठक में IQAC के मानक गठन के अनुरूप अकादमिक प्रतिनिधि के रूप में डॉ अरुण मोहन शेरी, निदेशक IIIT लखनऊ , डॉ ए. के सक्सेना पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर जंतु विज्ञान राजकीय रजा कालेज रामपुर, डॉ विनोद कुमार शनवाल, एसोसिएट प्रोफेसर, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय शासन प्रतिनिधि के रूप में डॉ राजीव गुप्ता, क्षेत्रीय अधिकारी मेरठ मंडल मेरठ, औद्योगिक प्रतिनिधि के रूप में प्रिषा बक्शी ने बैठक में प्रतिभाग कर बैठक को सफल बनाया । भूतपूर्व छात्रा प्रतिनिधि कु काजोल व कु हेमा, वर्तमान छात्रा प्रतिनिधि कु प्रवांशी पांडे, कु. तनु शर्मा, कु. स्वाति सिंह, कु. खुशबू सैफी ने भी बैठक

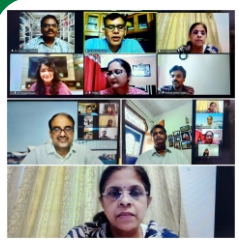

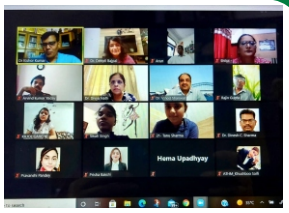

में प्रतिभाग किया। सर्वप्रथम प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ ने सभी सम्मानित प्रतिनिधियों का स्वागत किया तथा बैठक में उनकी उपस्थिति हेतु उनके प्रति आभार ज्ञापित किया । तदुपरांत IQAC समन्वयक डॉ किशोर कुमार ने महाविद्यालय द्वारा किये गए कार्यों एवं उपलब्धियों की आख्या एवं आगे सम्पन्न किये जाने वाले कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश डिजिटल लाइब्रेरी में सर्वाधिक ई कंटेंट अपलोड करने के लिए महाविद्यालय का प्रथम स्थान पर रहना तथा महाविद्यालय के 5 प्राध्यापकों को सर्वाधिक ई कंटेंट विनिर्मित करने हेतु पुरस्कारों की प्राप्ति साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन हेतु प्रदेश स्तर की महत्वपूर्ण समितियों में हमारे महाविद्यालय के अनेकों प्राध्यापकों के नाम होना और इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य करना इस सत्र की विशिष्ट उपलब्धियां है । इसके उपरांत सदन में उपस्थित सभी प्रतिनिधियों द्वारा भावी कार्यों पर गहन विचार विमर्श किया गया तथा गुणवत्ता संवर्धन हेतु सुझाव प्रस्तुत किये गए। सर्वप्रथम डॉ ए. के. सक्सेना जी ने महाविद्यालय के कार्यों की प्रसंशा करते हुए कहा कि महाविद्यालय अपने कार्यों द्वारा अन्य राजकीय महाविद्यालयों के लिए प्रेरणा स्रोत है। इसी क्रम में डॉ शैरी ने कोविड–19 के विषम समय में भी महाविद्यालय द्वारा कृत उपलब्धि पूर्ण कार्यों की सराहना की तथा कहा कि महाविद्यालय नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर उल्लेखनीय कार्य कर रहा है । डॉ विनोद कुमार शनवाल जी ने महाविद्यालय के द्वारा छात्र हित में किए जा रहे कार्यों के प्रति संतुष्टि जताई और एनसीईआरटी की विभिन्न परियोजनाओं से लाभ लेने हेतु महाविद्यालय को प्रेरित किया। क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ राजीव गुप्ता द्वारा इस महाविद्यालय की प्राचार्या एवं प्राध्यापकों द्वारा प्राप्त उपलब्धियों की प्रशंसा की तथा प्रत्येक शैक्षणिक व पाठ्यसहगामी क्रियाओं में अधिक से अधिक छात्रों की सहभागिता कराने पर बल दिया। महाविद्यालय के भावी लक्ष्यों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन, AQAR जमा करना , रोजगारोन्मुख क्रियाविधियों के प्रसार, डिजिटल लाइब्रेरी का विस्तार तथा छात्राओं की उसमे सहभागिता सुनिश्चित करना, शोध परियोजनाओं का और अधिक संचालन इत्यादि कार्यों पर विशेष बल दिया गया । बैठक के अंत में आई. क्यू. ए. सी. प्रभारी डॉ किशोर कुमार द्वारा सभी का धन्यवाद व्यक्त किया एवं सभी सुझावों पर क्रियान्वयन करने का आश्वासन दिया गया । बैठक के सफल आयोजन में IQAC के अन्य सदस्यों डॉ दिनेश चंद शर्मा , डॉ दीप्ति वाजपेयी, डॉ शिल्पी तथा डॉ अरविन्द कुमार यादव का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

तनाव प्रबंधन कार्यशाला

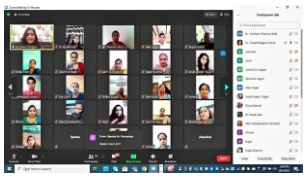

महाविद्यालय में छात्राओं की मांग एवं उनकी आवश्यकताओं को देखते हुए प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ के निर्देशन में महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा दिनांक 4 जून 2021 को तनाव प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्कृत विषय की स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में सर्वप्रथम विभाग प्रभारी डॉ दीप्ति वाजपेयी ने तनाव प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं जैसे तनाव क्या है , इसके क्या लक्षण है , तनाव के दुष्प्रभाव एवं इसको कैसे प्रबंधित किया जा सकता है, इन तथ्यों से छात्राओं को अवगत कराया। विभाग की अन्य प्राध्यापिका डॉ नीलम शर्मा ने छात्राओं को गीता के श्लोक '' कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन'' के माध्यम से कर्म करने तथा फल का तनाव न लेने की प्रेरणा दी । इस क्रम में डॉ कनकलता ने कहा कि हमें उम्मीद का दामन कभी नही छोड़ना चाहिए । कोई भी समस्या इतनी बड़ी नही हो सकती की वह हमारे व्यक्तित्व को नकारात्मक बना दे। सकारात्मकता तनाव प्रबंधन का सबसे बड़ा उपाय है । साथ ही प्राध्यापकाओं ने परीक्षा , महामारी का भय इत्यादि से उत्पन्न तनाव के विषय में छात्राओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समुचित समाधान दिया गया । कार्यक्रम अपने उद्देश्यों में पूर्ण सफल रहा ।

विश्व पर्यावरण दिवस

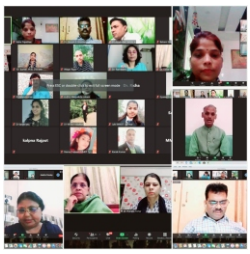

दिनांक 5 जून 2021 को महाविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए। सर्वप्रथम प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ के निर्देशन में ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमे ग्रीन मैन के रूप से जाने वाले श्री विजयपाल सिंह बघेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जिन्होंने पर्यावरण से संबंधित विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर अपने विचार रखे एवं छात्राओं को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रतिभा तोमर द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मध्य में एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका संचालन श्रीमती नेहा त्रिपाठी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ डी. सी. शर्मा द्वारा कोविड–19 एवं पर्यावरण व डॉ. आजाद आलम द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर व्याख्यान दिया गया। छात्राओं द्वारा भी पर्यावरण संरक्षण सम्बंधित अपने विचार व्यक्त किए गए। अन्त में औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन डॉ. ऋचा द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में समस्त प्राध्यापकों की उपस्तिथि रही। इसके अतिरिक्त एनसीसी एवं एनएसएस की दोनो इकाइयों द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से डॉ मीनाक्षी लोहनी, डॉ नीलम शर्मा तथा डॉ विनीता सिंह के निर्देशन में छात्राओं ने पौधारोपण किया व ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूक किया। कार्यक्रम में एनएसएस , एनसीसी इकाइयों के समस्त सदस्यों एवं विज्ञान संकाय के सभी प्राध्यापको का उल्लेखनीय योगदान रहा ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वयन विषयक शिक्षक अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

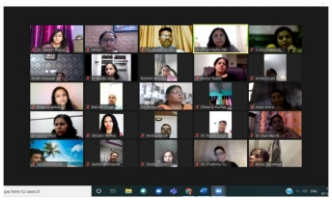

महाविद्यालय बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर में दिनांक 07.06.2021 को महाविद्यालय की राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन समिति के तत्वावधान में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' क्रियान्वयन हेतु शिक्षक अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसकी अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ0)दिव्या नाथ ने की। अभिविन्यास कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वयन समिति, उत्तर प्रदेश स्टीयरिंग कमेटी के सदस्य डॉ दिनेश चंद्र शर्मा थे । स्वागत उद्बोधन एवं संगोष्ठी संचालन समिति प्रभारी डॉ दीप्ति वाजपेयी के द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सभी प्रमुख बिंदुओं जैसे नवीन सत्र में प्रवेश, नए पाठ्यक्रम की विशेषता एवं संरचना,सीबीसीएस ,क्रेडिट सिस्टम , विषय चुनाव एवं समय सारणी निर्माण पर विस्तृत प्रकाश डाला । प्राचार्या ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सभी को अवगत कराया कि नई शिक्षा नीति 2020 के द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आने वाले हैं । शिक्षा के क्षेत्र में जो भी बदलाव आते है वह कुछ चुनौतियां भी लेकर आते है। चुनौतियां कितनी भी हो लेकिन जब हम इनके अभ्यस्त हो जाते हैं तथा सकारात्मक सोच के साथ इनका सामना करते हैं तब सफलता निश्चित ही मिलती है। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन समिति समन्वयक डॉ० किशोर कुमार द्वारा प्राचार्या, मुख्य वक्ता तथा सभी उपस्थित विद्वतजनो के प्रति आभार व्यक्त किया गया । कार्यक्रम के आयोजन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन समिति के समन्वयक डॉ. किशोर कुमार, संयोजिका डॉ दीप्ति वाजपेयी, सदस्य डॉ. शिल्पी , डॉ हरिंद्र कुमार व डॉ विजेता गौतम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। शिक्षक अभिविन्यास कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक मौजूद रहे।

इनोवेशन काउंसिल अभिविन्यास कार्यक्रम

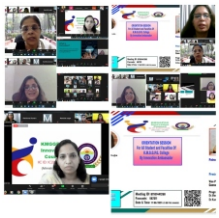

महाविद्यालय में इनोवेशन काउंसिल के तत्वाधान में दिनांक 17 जून 2021 को प्राचार्या प्रो. डॉ. दिव्या नाथ के संरक्षण एवं अध्यक्षता में ऑनलाइन माध्यम से अभिविन्यास सत्र का आयोजन किया गया, जिसकी मुख्य वक्ता डॉ.वसुंधरा सलूजा ,इनोवेशन अंबेडकर ,असिस्टेंट प्रोफेसर ,शारदा विश्वविद्यालय रहीं । अभिविन्यास सत्र का प्रारंभ प्राचार्या महोदया के वक्तव्य से हुआ, उन्होंने बताया कि इनोवेशन काउंसिल को पहले तकनीकी इनोवेशन से जोड़ा जाता था परंतु आज NEP पाठ्यक्रम में इसकी अनिवार्यता एवं सरकार की नीति के परिप्रेक्ष्य में कला एवं अन्य संकाय हेतु इनोवेशन काउंसिल की उपयोगिता और अधिक बढ़ गई है तथा इनोवेशन काउंसिल एक ऐसा मंच है जिसमें छात्राएं अपने विचार तथा सोच को मूर्त रूप दे सकती हैं , जहाँ जीवकोपार्जन प्रेरित शिक्षा ग्रहण कर सकेंगी। मुख्य वक्ता डॉ.वसुंधरा सलूजा ने इनोवेशन के विभिन्न आयाम एवं प्रारंभिक सिद्धांतों के विषय पर प्रकाश डालते हुए इनोवेशन संबंधी कई पारिभाषिक शब्दों का उदाहरण के साथ सरल एवं व्यवहारिक रूप से छात्राओं को परिचित कराया, उन्होंनें बताया कि नौकरी ढूंढने वाला बनना जरूरी नहीं है नौकरी देने वाला भी हम बनने की सोच सकते हैं यानी किसी लक्ष्य के प्रति सकारात्मक सोच ही स्वयं का स्टार्टअप करने में एक सही दिशा देता है। इसके साथ डॉ. सलूजा ने पेटेंट, डिजाइन रजिस्ट्रेशन, ट्रेडमार्क,कॉपीराइट, सफल व्यापार हेतु रचनात्मकता के विभिन्न क्षेत्र ,स्टार्ट –अप की अवधारणा, ड्रीमर, एक्सप्लोरेर एंड इनोवेटर जैसे बिंदुओं पर अपना व्याख्यान दिया । सत्र के आखिरी चरण में छात्राओं के कई स्टार्टअप एवं इनोवेशन संबंधित प्रश्नों का समाधान डॉ. सलूजा ने किया। डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा एवम् डॉ. मीनाक्षी लोहानी के तकनीकी सहयोग के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन डॉ .कनकलता द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन इनोवेशन काउंसिल की संयोजिका डॉ.शिवानी वर्मा के औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

महाविद्यालय में दिनाँक 21 जून 2021 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में शारीरिक शिक्षा विभाग के सौजन्य से ऑनलाइन योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ द्वारा की गई तथा मुख्य अतिथि के रूप में गुरु जम्बेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार (हरियाणा) के मीडिया विभाग के डीन प्रोफेसर (डॉ.) उमेश आर्या आमंत्रित एवं उपस्थित रहे। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ ने कहा कि आध्यात्मिक स्तर पर योग से जुड़ने का अर्थ है सार्वभौमिक चेतना के साथ व्यक्तिगत चेतना का एक होना। व्यावहारिक स्तर पर योग शरीर, मन और भावनाओं को संतुलित करने और सामंजस्य स्थापित करने का एक सशक्त साधन है।गुरु जम्बेश्वर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर (डॉ.) उमेश आर्या, आयुष मंत्रालय भारत सरकार के अनुमोदित योग प्रशिक्षक तथा आर्ट ऑफ लिविंग से सम्बद्ध , द्वारा सहज योग को आनंद और शांति का सूत्र बताते हुए उपस्थित प्रतिभागियों को अपने निर्देशन में योग भी कराया गया। उन्होंने कहा कि योग सिर्फ आसन, प्राणायाम,ध्यान ही नहीं, बल्कि किसी कार्य को कुशलतापूर्वक करना या तनावरहित जीवन जीना भी योग हैं। योग एक ऐसा धन है,जिससे हमें वास्तविक संतुष्टि प्राप्त होती है। योग से न सिर्फ हमारा शरीर रोगमुक्त होता है, बल्कि समाज भी हिंसा रहित होता है।इसके उपरांत महाविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा द्वारा आत्मानुभूति में संगीत के प्रभाव को प्रदर्शित करते हुए सभी को संगीतोपचार की मनोवैज्ञानिक विधि से अवगत कराया गया।कार्यक्रम के अंत में एन.एस.एस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विनीता सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में डॉ धीरज कुमार , डॉ सत्यन्त कुमार के अतिरिक्त सह–आयोजक के रूप में महाविद्यालय की एन.सी.सी इकाई,एन.एस.एस तथा रेंजर्स इकाई की सहभागिता प्रसंशनीय रही। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं छात्राएं उपस्थित थी।

इनोवेशन काउंसिल के अंतर्गत शैक्षिक भ्रमण एवं कार्यशाला का आयोजन

महाविद्यालय में इनोवेशन काउंसिल के तत्वाधान में दिनांक 17 मार्च 2021 को गलगोटिया इंजीनियरिंग एवं तकनीकी कॉलेज के इनक्यूबेशन सेंटर का महाविद्यालय के 14 स्टूडेंट एवम् 5 प्राध्यापकों ने क्षेत्र भ्रमण (फील्ड विजिट) किया। इस बहुद्देशीय क्षेत्र भ्रमण में छात्राओं ने इनक्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर के विभिन्न आयामों को समीप से देखा और इसके मूल संदर्भों को समझा , इसके साथ इस सेंटर की भौतिक एवम् आर्थिक सुविधाओं तथा अवसर की अवधारणा को भी जाना। इनोवेशन काउंसिल के तत्वाधान में प्राचार्या प्रोफेसर डॉ.दिव्या नाथ की अध्यक्षता में दिनांक 29 जून 2021 को 'इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स एंड आईपी मैनेजमेंट फॉर स्टार्टअप' पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसके प्रमुख वक्ता प्रोफेसर संस्कार सिंह चौहान, डीन आईपीआर(IPR) इंचार्ज गलगोटिया विश्वविद्यालय रहे। प्रोफेसर चौहान ने इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स के प्रारंभिक सिद्धांत कॉपीराइट, ट्रेडमार्क व्यापार प्रबंधन जैसे अति प्रासंगिक एवं उपयोगी विषय पर विशद, प्रांजल एवं व्यावहारिक व्याख्यान दिया। कार्यशाला के अंतिम चरण में प्राध्यापकों एवं छात्राओं के आईपीआर (IPR) संबंधित कई प्रश्नों का भी समाधान प्रोफेसर संस्कार सिंह चौहान द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.सुशीला द्वारा किया गया एवं इनोवेशन काउंसिल की संयोजिका डॉ. शिवानी वर्मा द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया गया। प्रस्तुत कार्यशाला इन्नोवेशन काउंसिल के प्रत्येक सदस्य के सक्रिय योगदान के साथ अपने महनीय उद्देश्यों में पूर्ण सफल रहा ।

राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम एवं द्वितीय इकाई की विभिन्न गतिविधियाँ

महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारी क्रमशः डॉ विनीता सिंह और डॉ नीलम शर्मा के निर्देशन में अधिग्रहीत गांव डेरी मच्छा एवं बादलपुर में 4 एक दिवसीय शिविर एवं दिनांक 22 से 28 जनवरी 2021 तक एक सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे स्वयंसेवी छात्राओं को सामुदायिक कार्यक्रमों के द्वारा सामाजिक कार्यों के लिए प्रेरित किया गया। विशेष शिविर का उद्घाटन प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ के कर कमलों द्वारा किया गया। स्वयंसेवी छात्राओं द्वारा विभिन्न विषयों पर विभिन्न सामाजिक कार्य जैसे साक्षरता, स्वच्छता, मताधिकार, महिला सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, पर्यावरण एवं कोरोना महामारी संबंधी जागरूकता एवं स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न कार्यक्रमों एवं रैली का आयोजन करके ग्राम वासियों को लाभान्वित कराया गया। साथ ही विशेष शिविर के दूसरे सत्र में छात्राओं के मनोविकास को ध्यान में रखकर प्रसार व्याख्यान आयोजित किए गए । जिसमें अंबुजा सीमेंट फाउंडेशन दादरी के कौशल एवं उद्यमिता विकास प्रशिक्षण केंद्र से आए श्री प्रेम किशोर उपाध्याय, श्रीमती प्रिया गुप्ता एवं सुश्री नेहा बोरा, 13 यूपी गर्ल्स बटालियन गाजियाबाद से श्रीमान के के सिंह, लेफ्टिनेंट डॉ मीनाक्षी लोहानी, नागर हॉलिस्टिक थेरेपी सेंटर दुजाना से सोनू नागर, अंजली नागर, स्नेह छाँव फाउंडेशन से श्रीमती नेहा सिंह, बादलपुर थाना प्रभारी श्री संजय सिंह, श्रीमती चंचल, श्रीमती प्रीति, श्रीमती शीला एवं श्रीमती दीपा मलिक, प्रधानाध्यापिका श्रीमती लक्ष्मी सिंह एवं अध्यापिका श्रीमती सायरा प्राथमिक विद्यालय बादलपुर, एनसीपीई से डॉ मेधा

आदि एवं महाविद्यालय के विभिन्न विषय विशेषज्ञों के प्रभावशाली वक्तव्य एवं उद्बोधन से छात्राएं विशेष रूप से लाभान्वित हुई। साथ ही दोनों इकाइयों में शिविर में कोविड़ 19 परीक्षण शिविर, हेल्थ चेकअप कैंप और योग शिविर भी लगाया गया। तृतीय सत्र में छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई उनमें विजयी छात्राओं को शिविर के अंतिम दिवस पर पुरस्कृत किया गया। शिविर का समापन श्रीमती नरगिस डिस्टिक लाइंस गवर्नर लायंस क्लब एवं अध्यक्षता डॉ दिव्या नाथ द्वारा किया गया। समस्त कार्यक्रमों में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के परामर्श समिति एवं सदस्यों का योगदान सराहनीय रहा। इसके अतिरिक्त 20 जनवरी से 20 फरवरी तक सड़क सुरक्षा माह, चौरी चौरा शताब्दी समारोह, 16 फरवरी को महाराजा सुहेलदेव जयंती, 26 फरवरी से 8 मार्च तक मिशन शक्ति विशेष अभियान, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आदि के आयोजन में सहयोग प्रदान किया। 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर दोनों इकाइयों में ''पर्यावरण ही जीवन है'' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया एवं दोनों इकाइयों की स्वयंसेवी छात्राओं ने पौधा लगाकर पर्यावरण को संतुलित बनाए रखने का संकल्प लिया। जून माह के अंतिम सप्ताह में विश्वविद्यालय से प्राप्त निर्देशानुसार 100 पीपल वृक्षों का पौधारोपण किया गया। महाविद्यालय की महिला प्रकोष्ठ समिति का सहयोग करते हुए महिलाओं को उनसे संबंधित विभिन्न कानूनों की जानकारी देना एवं बाल शोषण निरोधक दिवस पर पोस्टर एवं समूह चर्चा के द्वारा बाल शोषण के विरुद्ध जन जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। विश्वव्यापी कोरोना महामारी जैसे संकट के दौर में महाविद्यालय की एनएसएस की दोनों इकाइयों की स्वयंसेवी छात्राओं द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में मास्क एवं सैनिटाइजर वितरण के साथ वैक्सीन लगवाने के लिए ग्रामीणों को सतत प्रेरित किया जा रहा है ।

डॉ अर्चना सिंह का सेवानिवृत्ति समारोह

महाविद्यालय में दिनांक 30 जून 2021 को हिंदी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अर्चना सिंह का सेवानिवृत्ति समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया । प्राचार्या महोदया के निर्देशन में संपन्न हुए इस विदाई समारोह में डॉ अर्चना सिंह के समस्त परिवारीय जन एवं महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक गण एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि डॉ अर्चना सिंह दिनांक 14 फरवरी 2001 को राजकीय सेवा में नियुक्त हुई थी तथा 28 जून 2008 से इस महाविद्यालय में हिंदी विभाग में कार्यरत थी। डॉ अर्चना सिंह का सौम्य व्यक्तित्व एवं कर्मठता सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है।

महाविद्यालय छात्राओं की विशेष उपलब्धियाँ

1. महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में डॉ. ममता उपाध्याय के निर्देशन में शोध कार्यरत छात्रा कुमारी दीपिका ने यू.पी.पी.सी.एस में ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर के पद पर तथा भूगोल विभाग में डॉ मीनाक्षी लोहानी के निर्देशन में शोध कार्यरत श्री राम विष्णु ने प्रवक्ता इंटर कॉलेज पद पर चयनित होकर महाविद्यालय के गौरव में वृद्धि की है। **2.** महाविद्यालय की एम.एस.सी जंतु विज्ञान की छात्रा कु. ज्योति ने इस वर्ष विश्वविद्यालय में स्वर्ण पदक , संस्कृत विभाग की छात्रा कु. अपूर्वी ने रजत पदक एवं भूगोल विभाग की छात्रा कु ज्योति नागर में विश्वविद्यालय स्तर पर चतुर्थ स्थान हासिल कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया । **3** . महाविद्यालय की B-Ed विभाग की छात्रा कुमारी रोजी आजमी को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन की ओर से आयोजित सड़क सुरक्षा मस्कट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। जिसके लिए उन्हें पुरस्कार स्वरूप प्रमाण पत्र के साथ साथ रू 21000 की धनराशि प्रदान की गई है, जो कि महाविद्यालय के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है। **4.** विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी एन.सी.सी कैडेट कुमारी दिव्या एवं कुमारी साक्षी को राजपथ पर प्रतिभाग करने हेतु उत्तम प्रदर्शन हेतु यूथ ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इंडिया की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया है । **5.** महाविद्यालय की बी.एड विभाग की दो छात्राओं कु. प्रिया दुबे व कु. शिखा पांडे ने डी.ए.वी कॉलेज बुलंदशहर में आयोजित अंतर विश्वविद्यालय वाद विवाद प्रतियोगिता में क्रमशः प्रथम तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। महाविद्यालय समस्त छात्राओं की उपर्युक्त उपलब्धियों पर गौरवान्वित है।

महाविद्यालय की विशिष्ट उपलब्धियाँ

1. उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विनिर्मित डिजिटल लाइब्रेरी में विद्यादान माह अक्टूबर 2020 के अंतर्गत महाविद्यालय से विभिन्न विषयों में 987 ई कंटेंट अपलोड किए गए। सर्वाधिक ई कंटेंट उपलब्ध कराने हेतु शासन द्वारा महाविद्यालय को समस्त राजकीय स्ववित्तपोषित एवं अनुदानित महाविद्यालयों की श्रेणी में प्रथम स्थान प्रदान किया गया तथा इस हेतु महाविद्यालय को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया जो कि महाविद्यालय के लिए अत्यंत गौरव की बात है।

2. उत्तर प्रदेश डिजिटल लाइब्रेरी में छात्र हित में सर्वाधिक e-content अपलोड कर अपने अपने विषय की श्रेणी में महाविद्यालय के संस्कृत विभाग की प्राध्यापिका डॉ. नीलम शर्मा को प्रथम तथा डॉ. दीप्ति वाजपेयी को द्वितीय स्थान पर आने के लिए सम्मान स्वरूप प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

इसी कार्य हेतु राजनीति विज्ञान विभाग से डॉ ममता उपाध्याय को प्रथम स्थान, जंतु विज्ञान विभाग से डॉ दिनेश चंद्र शर्मा , एवं शारीरिक शिक्षा विभाग से डॉ सत्यन्त कुमार को सर्वाधिक ई–कंटेंट अपलोड करने के लिए द्वितीय स्थान प्राप्त करने हेतु प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

3. शासन की रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना के अंतर्गत महाविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा, इतिहास विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ किशोर कुमार एवं भूगोल विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ मीनाक्षी लोहानी को वृहद शोध परियोजना हेतु अनुदान स्वीकृत हुआ तथा लघु शोध परियोजना हेतु संस्कृत विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ दीप्ति वाजपेयी एवं समाजशास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ विनीता सिंह को अनुदान प्राप्त हुआ, जो कि महाविद्यालय की प्रतिष्ठा में वृद्धि करने वाला है।

4. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन हेतु गठित प्रदेश स्तर की विभिन्न समितियों में महाविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ दिनेश शर्मा स्टेरिंग कमेटी के सदस्य के रूप में चयनित हुए तथा नई शिक्षा नीति के अनुसार संपूर्ण प्रदेश में न्यूनतम समान पाठ्यक्रम लागू किए जाने के लिए विनिर्मित पाठ्यक्रम पुनर्निर्माण समिति की सुपरवाइजर की कमेटी में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ दिव्या नाथ, डॉ. किशोर कुमार, डॉ दीप्ति वाजपेयी एवं डॉ अरविन्द कुमार यादव का चयन किया गया, इसके साथ ही विषय विशेषज्ञ समिति में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्राध्यापकों डॉ. शिवानी वर्मा, डॉ शिल्पी, डॉ नेहा त्रिपाठी, डॉ मीनाक्षी लोहानी, डॉ. नीलम शर्मा, डॉ. विजेता गौतम,डॉ भावना यादव, डॉ. विनीता सिंह, डॉ. संजीव कुमार, की सहायता से समान पाठ्यक्रम पुनर्निर्माण का गुरुतर कार्य संपन्न किया गया है। शासन स्तर की शीर्ष वरीयता प्राप्त इस कार्य में महाविद्यालय के कुल 14 प्राध्यापकों कि संलग्नता निसंदेह गर्व का विषय है।

संरक्षिका
डॉ. दिव्या नाथ
(प्राचार्या)

छात्रा प्रतिनिधि-
कु. प्रवांशी पांडे, बी.ए. द्वितीय वर्ष
कु. अंजलि नागर, एम.ए. द्वितीय वर्ष

सम्पादिका
डॉ. दीप्ति वाजपेयी
डॉ. मिन्तु
डॉ. नीलम शर्मा